04 - आरक्षण में कोटे में कोटा : सुप्रीम कोर्ट का क्रांतिकारी निर्णय

05 - भारत छोड़ो आंदोलन : एक विश्लेषण

06 - कोतवाली पुलिस के सर्चिंग अभियान में कबाड़ी के पास बम के खोल...

07- भोपाल तिराहा गार्डन संचालक को नोटिस जारी किया नगरपालिका ने..

A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 10 अगस्त, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 287, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

वक्फ़ कानून में प्रस्तावित बदलावों से क्या-क्या बदल जाएगा?

इमरान क़ुरैशी

वक्फ़ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले क़ानून में प्रस्तावित संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश कर दिया गया है। हालांकि, इससे पहले ही बिल की आलोचना शुरू हो गई थी। ये कहा जा रहा है कि इस संशोधन के ज़रिए दान और परोपकार जैसी अवधारणाओं को कमज़ोर करने और अतिक्रमण करने वालों को संपत्ति का मालिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

वक्फ़ क़ानून का नाम बदलकर 'एकीकृत वक्फ़ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम' कर दिया गया है। जानकारों का मानना है कि प्रस्तावित संशोधन इस क़ानून के नाम से मेल नहीं खाते हैं।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से प्रस्तावित संशोधन विधेयक की कॉपी भी सभी सांसदों को बांट दी गई थी। सरकार का दावा है कि ये संशोधन 'क़ानून में मौजूद ख़ामियों को दूर करने और वक्फ़ की संपत्तियों के प्रबंधन और संचालन' को बेहतर बनाने के लिए ज़रूरी हैं। वक्फ़ में ये रुचि इसके तहत आने वाली बड़ी संपत्तियों की ओर भी इशारा करती है। वक्फ़ की 8.72 लाख संपत्तियां और 3.56 लाख जायदादें कुल 9.4 लाख एकड़ ज़मीन में फैली हुई हैं। रक्षा मंत्रालय और भारतीय रेलवे के बाद अगर सबसे अधिक संपत्तियां किसी के अधीन हैं तो वह वक्फ़ ही है। इन तीनों के पास देश में सबसे अधिक ज़मीनों का मालिकाना हक़ है।

पिछले दो सालों में देश के अलग-अलग उच्च न्यायालयों में वक्फ़ से जुड़ी करीब 120 याचिकाएं दायर की गई थीं, जिसके बाद इस क़ानून में संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। अदालत में दी गई अर्ज़ियों में वक्फ़ क़ानून की वैधता को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि जैन, सिख और अन्य अल्पसंख्यकों समेत दूसरे धर्मों में ऐसे क़ानून लागू नहीं होते। वकील अश्विनी उपाध्याय ने कहा, 'धार्मिक आधार पर कोई ट्रिब्यूनल नहीं रह सकता। भारत ऐसा राष्ट्र नहीं हो सकता, जहां दो क़ानून हों। यहां एक देश और संपत्ति के लिए एक क़ानून हो। अदालतों में दायर 120 याचिकाओं में से तकरीबन 15 मुसलमानों की ओर से भी दायर की गई है। दान और परोपकार वाले काम कभी भी धर्म के आधार पर नहीं होने चाहिए।'

राजनीतिक विश्लेषक क़ुर्बान अली संशोधन को 'प्रमुख ज़मीनों पर सरकारी कब्ज़े की कोशिश' के तौर पर देखते हैं। वह कहते हैं, 'ये सिर्फ़ और सिर्फ़ हिंदू वोट बैंक को ख़ुश करने के लिए है। हां, मौजूदा वक्फ़ क़ानून में कुछ कमियां हैं और वक्फ़ बोर्ड से जुड़ी कई ईकाइयों में भ्रष्टाचार की बात को भी ख़ारिज नहीं किया जा सकता है। इसका प्रबंधन भी ठीक से नहीं हो रहा है।'

वक्फ़ अधिनियम में प्रस्तावित 44 संशोधनों से पहले ही कई छोटे शहरों, कस्बों, ख़ासतौर पर उत्तर भारत के राज्यों में वक्फ़ बोर्ड को ख़त्म करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन देखे जा चुके हैं। वक़्फ़ कोई भी चल या अचल संपत्ति होती है, जिसे कोई भी व्यक्ति जो इस्लाम को मानता हैं अल्लाह के नाम पर या धार्मिक मक़सद या परोपकार के मक़सद से दान करता है। संशोधन विधेयक के 'उद्देश्यों और कारणों' के अनुसार वक्फ़ को ऐसा कोई भी व्यक्ति संपत्ति दान दे सकता है जो कम से कम पाँच सालों से इस्लाम का पालन करता हो और जिसका संबंधित ज़मीन पर मालिकाना हक़ हो।

प्रस्तावित संशोधन के तहत अतिरिक्त कमिश्नर के पास मौजूद वक्फ़ की ज़मीन का सर्वे करने के अधिकार को वापस ले लिया गया और उनकी बजाय ये ज़िम्मेदारी अब ज़िला कलेक्टर या डिप्टी कमिश्नर को दे दी गई है। केंद्रीय वक्फ़ परिषद और राज्य स्तर पर वक्फ़ बोर्ड में दो ग़ैर मुसलमान प्रतिनिधि रखने का प्रावधान किया गया है। नए संशोधनों के तहत बोहरा और आग़ाख़ानी समुदायों के लिए अलग वक्फ़ बोर्ड की स्थापना की भी बात कही गई है।

वक्फ़ का पंजीकरण सेंट्रल पोर्टल और डेटाबेस के ज़रिए होगा। इस पोर्टल के ज़रिए मुतवल्ली यानी वक्फ़ संपत्ति की देखरेख करने वालों को ख़ातों की जानकारी देनी होगी। इसी के साथ सालाना पाँच हज़ार रुपये से कम आय वाली संपत्ति के लिए मुतवल्ली की ओर से वक्फ़ बोर्ड को दी जाने वाली राशि को भी सात फ़ीसदी से घटाकर पाँच फ़ीसदी कर दिया गया है। किसी संपत्ति के वक्फ़ के तहत आने या न आने का फ़ैसला लेने का वक्फ़ बोर्ड का अधिकार वापस ले लिया गया है। नए प्रस्ताव के अनुसार मौजूद तीन सदस्यों वाली वक्फ़ ट्राइब्यूनल को भी दो सदस्यों तक सीमित कर दिया गया है। लेकिन 90 दिन के भीतर ट्राइब्यूनल के फ़ैसलों को हाई कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

नए विधेयक में सीमा अधिनियम को लागू करने की अनिवार्यता को हटाने का प्रावधान है। वक्फ़ एक्ट 1995 में के रहमान ख़ान की अगुवाई वाली समिति की सिफ़ारिशों के आधार पर साल 2013 में बड़े बदलाव हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के वकील रऊफ़ रहीम ने कहा, 'बुनियादी तौर पर कुछ धाराओं को जोड़ने और वक्फ़ बोर्ड के भ्रष्ट सदस्यों को जेल की सलाख़ों के पीछे भेजने के अलावा मौजूदा क़ानून में किसी भी बदलाव की ज़रूरत नहीं है।' लेकिन वक्फ़ अधिनियम की वैधता को अदालतों में चुनौती देने वाले 119 याचिकाकर्ताओं ने भी इस क़ानून की ख़ामियों को रेखांकित किया है।

राजस्थान के बूंदी में रहने वाले शहज़ाद मोहम्मद शाह ने कोर्ट का दरवाज़ा इसलिए खटखटाया क्योंकि फ़कीर समुदाय की 90 बीघा ज़मीन वक्फ़ बोर्ड ने अपने कब्ज़े में ले ली। शाह बीजेपी के मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के सदस्य हैं. उनकी याचिका वकील अश्विनी उपाध्या की अर्ज़ी जैसी ही है।

अश्विनी उपाध्याय ने कहा, 'सरकार मंदिरों से एक लाख करोड़ रुपये पाती है लेकिन किसी दरगाह या मस्जिद से नहीं। जबकि वह वक्फ़ के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों को वेतन देती है। हमने याचिका में ये भी मांग की है सभी धार्मिक संपत्तियों पर फ़ैसला सिविल क़ानून से हो न कि वक्फ़ ट्राइब्यूनल के ज़रिए।' राज्यसभा के पूर्व उपसभापति रहमान ख़ान ने कहा कि बोर्ड में दो पद गैर मुसलमानों के लिए आरक्षित करना ठीक है लेकिन क्या मुसलमानों को हिंदू मंदिरों के बोर्ड में भी ऐसा ही आरक्षण मिलेगा? इस बीच, ऑल इंडिया सजदानशीन एसोसिएशन के अध्यक्ष अजमेर के सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने बताया कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने उनके प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि सरकार अलग दरगाह बोर्ड बनाने के एसोसिएशन के सुझाव पर गंभीरता से विचार करेगी। ये हमारी लंबे समय से मांग रही है। दरगाहें वक्फ़ संपत्ति की बड़ी स्टेकहोल्डर हैं। हमें उम्मीद है कि नए संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान सरकार दरगाह बोर्ड को भी इसमें शामिल करेगी।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए सरकार हुई ऐक्टिव

अमित शाह ने बनाई कमेटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने बांग्लादेश में चल रहे हालात को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ बातचीत बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा, बांग्लादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा हालात पर नजर रखने के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संवाद बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार हरसंभव प्रयास करेगी ताकि बांग्लादेश में भारतीय और हिंदू समुदायों के हितों की रक्षा की जा सके। इस समिति को विशेष रूप से भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा और स्थिति पर नजर रखने का कार्य सौंपा गया है।

...तो राज्यसभा वाले समीकरण के चलते अटका वक्फ बिल!

जेपीसी को भेजने के पीछे मोदी सरकार का बड़ा सियासी दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के इस निचले सदन में गुरुवार को विधेयक पेश किया। उससे पहले विधेयक पर एक संक्षिप्त चर्चा हुई जिसमें पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने हिस्सा लिया। फिर विपक्ष के उठाए सवालों का मंत्री रिजिजू ने जवाब दिया। आखिर में उन्होंने कहा कि अगर सदस्य विधेयक को विचार के लिए जेपीसी के पास भेजा जाए तो सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों को आश्वासन दिया कि विधेयक पर विचार के लिए जेपीसी का गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में यह मामला थोड़ा हटकर है जब सरकार किसी विधेयक को इतनी आसानी से जेपीसी के पास भेजने पर सहमत हो गई। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा में तो पेश कर दिया गया, लेकिन राज्यसभा में इसे अगले सत्र में पेश किया जाएगा। संसद का शीतकालीन सत्र नवंबर-दिसंबर महीने में आहूत होगा। तब तक राज्यसभा का समीकरण सत्ताधारी दल बीजेपी के पक्ष में आ जाएगा। 3 सितंबर को राज्यसभा की 12 सीटों पर होने वाले चुनावों में सत्ताधारी एनडीए के सदस्य चुने जाने की उम्मीद है। अगले सत्र से पहले अगर राज्यसभा के चार नामित सदस्यों की खाली सीटों को भर दिया गया तो सदन में सरकार का हाथ और मजबूत हो जाएगा। पिछले महीने ही ये चारों सीटें खाली हुई हैं। ये चार सदस्य आ गए तो सरकार को राज्यसभा में बहुमत पाने के लिए एआईएडीएमके जैसे बाहरी सहयोगियों की राह नहीं तकनी होगी। राज्यसभा में अभी छह नामित और दो निर्दलीय सदस्य हैं। इन्हें मिलाकर एनडीए के खेमे में राज्यसभा के कुल 117 सदस्य हैं जबकि बहुमत का आकंड़ा 119 का होता है।

यासीन मलिक अब दिल्ली हाईकोर्ट में खुद लड़ेगा अपना केस

हाईकोर्ट ने दी अनुमति, एनआईए की याचिका पर चल रही है सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंक के लिए फंडिंग मामले में दोषी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को उम्रकैद के बजाय फांसी की सजा सुनाए जाने को लेकर एनआईए की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई में शुक्रवार को एक नया मोड़ आया। यासीन मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच के समक्ष पेश किया गया। यासीन मलिक ने बेंच से अपनी पैरवी खुद करने की मंशा जाहिर की, जिसे बेंच ने मंजूर कर लिया। अलगाववादी संगठन 'जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट' का प्रमुख यासीन मलिक आतंकवाद के फंडिंग मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे यासीन मलिक ने हाईकोर्ट से कहा कि वह अपनी पैरवी खुद करना चाहता है। उसे किसी कानूनी परामर्श की जरूरत नहीं है।

17 महीने बाद जेल से बाहर आए मनीष सिसोदिया

● सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत, कहा-मौलिक अधिकार भी कोई चीज है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। सर्वोच्च कोर्ट के निर्देश के बाद सिसोदिया जेल से बाहर आ गए हैं। सिसोदिया की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए कहा है कि सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज केस के ट्रायल में अभी देरी है लिहाजा सिसोदिया को जमानत दी जाती है। जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि सिसोदिया करीब 17 महीने से जेल में हैं और अभी ट्रायल शुरू नहीं हो पाया है। आरोपी सिसोदिया को स्पीडी ट्रायल का अधिकार है लेकिन इस अधिकार से वह वंचित हो रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि हाल के के फैसले के नजीर का हवाला दिया और कहा कि जांच एजेंसी केस की गंभीरता का हवाला देकर जमानत का विरोध नहीं कर सकती है। अगर स्पीडी ट्रायल सुनिश्चित नहीं करा सकती है तो सिर्फ केस की गंभीरता के आधार पर जमानत का विरोध नहीं किया जा सकता है।

जया बच्चन धनखड़ से बोलीं-आपकी टोन ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। संसद की कार्यवाही के 15वें दिन सभापति धनखड़ और सपा सांसद जया बच्चन के बीच बहस हुई थी। दरअसल, धनखड़ ने सपा सांसद को जया अमिताभ बच्चन कहकर संबोधित किया था। इस पर जया बच्चन ने सभापति की टोन पर आपत्ति जताते हुए कहा- मैं कलाकार हूं। बॉडी लैंग्वेज समझती हूं। एक्सप्रेशन समझती हूं। मुझे माफ कीजिए, लेकिन आपके बोलने का टोन स्वीकार नहीं है। यह सुनकर धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने कहा- आप अपनी सीट पर बैठ जाइए। आप जानती हैं कि एक एक्टर को डायरेक्टर कंट्रोल करता है। मैं हर दिन अपनी बात दोहराना नहीं चाहता। हर दिन मैं स्कूली शिक्षा नहीं देना चाहता। सभापति जगदीप धनखड़ ने आगे कहा कि आप मेरी टोन पर सवाल उठा रही हैं। इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा।

महिला सरपंचों से बोले सीएम फिजूलखर्च रोकें

रानी दुर्गावती महिला सरपंच सम्मेलन में सीएम यादव को बहनों ने राखी बाँधी

कहा- तेरहवीं-शादियों में ज्यादा खर्च होता है, मैंने बेटे की शादी में 100 लोग बुलाए थे

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला सरपंचों से फिजूलखर्च रोकने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा- तेरहवीं में लोग अपनी जमीनें बेचकर खर्च करते हैं, जो सरासर गलत है। इस पर रोक लगना चाहिए। मैंने खुद अपने बेटे की शादी में 100 लोग बुलाए थे। शादियों में भी अनावश्यक खर्च को रोकना चाहिए। सीएम हाउस में शुक्रवार को रानी दुर्गावती महिला सरपंच सम्मेलन और रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेशभर से महिला सरपंच शामिल हुईं। इस दौरान महिला सरपंचों ने अपनी बात रखी। सीएम ने महिला सरपंचों से राखी भी बंधवाई। महिलाओं ने भी तिलक लगाकर सीएम का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सीएम ने कन्या पूजन किया।

सीएम बोले- संकल्प पत्र की हर योजना लागू करेंगे- सीएम ने कहा, ' हमारे देश में सालभर कोई ना कोई त्योहार रहता है। प्रेम के धागे बांधने वाला यह रक्षाबंधन सब त्योहार पर भारी है। यह हमारी परंपरा है। भाई-बहन से बढ़कर दुनिया में कोई संबंध नहीं। हमारी सरकार बनी, तो लाड़ली बहनों और जिन्होंने उज्ज्वला गैस कनेक्शन लिया, उन्हें 450 रुपया अनुदान गैस की टंकी के लिए दिए जाएंगे। संकल्प पत्र में जिन योजनाओं का जिक्र किया गया है, वैसी ही लागू की जाएंगी। सीएम हाउस में आयोजित महिला सरपंच सम्मेलन में महिलाओं के लिए मेहंदी का स्टॉल भी लगाया गया था। इसमें महिलाओं ने मेहंदी लगवाई।

प्रहलाद पटेल बोले- सीएम हर जगह राखी बंधवाएंगे

पंचायत मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा, 'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी बहनों को घर में आमंत्रित कर उनका मान बढ़ाया है। मध्यप्रदेश में 23011 पंचायतें हैं। 50 प्रतिशत आरक्षण माना जाए, तो इस आंकड़े से ज्यादा महिला सरपंच हैं। हर साल रक्षाबंधन आता है, लेकिन ये पहला मौका है, जब मुख्यंमत्री ने कहा कि सावन के महीने में वे जहां भी रहेंगे, बहनों से राखी बंधवाएंगे।

महिला सरपंचों ने भी रखी अपनी बात

सम्मेलन में उज्जैन की लक्षिका डागर ने कहा- 'ग्राम पंचायत चिंतामन जवासिया की सरपंच और सबसे काम उम्र की सरपंच हूं। बच्चे गांव में गीली मिट्टी में बैठकर स्कूल में प्रार्थना कर रहे थे। मैंने स्कूल में ग्राउंड पक्का कराया। गांव में प्रसूति केंद्र बनवाया। गांव में डिलिवरी हो रही हैं। नालियां बनाई हैं। देश को हम जैसी नारी शक्तियों की जरूरी है। पर्दा जरूर करें, लेकिन विचारों का पर्दा कभी ना करें।'

सतना की सरपंच कमला देवी ने कहा, 'मैं बीड़ी बनती थी। समूह में जुड़ी फिर सिलाई सीखी। लोन लेकर मशीन खरीदी। सिलाई शुरू की, जिससे आर्थिक स्थिति सुधरने लगी। गांव से सीसीएल भी करवाया है। साल में एक करोड़ से भी ज्यादा सीसीएल करवाया। परिवार की स्थिति सुधरी करती थी। पंचायत चुनाव हुआ, तो फॉर्म भरा। गांव में सभी बहनों ने मदद कर प्रचार किया। 370 वोटो से जीत हुई। मैंने सम्मेलन योजना का लाभ दिलाया। गांव में आंगनबाड़ी भवन बनवाया। नाली बनवाई। स्कूल में बच्चों के पीने के लिए पानी की टंकी बनवाई। गांव में 250 से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनवाए।' नागेश्वरी सिंह गौड़ ने कहा, 'पहले घर से निकलने में दिक्कत होती थी। समूह से जुड़ी और 11 समूह बनाए। इतनी गतिविधियों से खुद काम किया।

सुप्रभात

अपनी बीती हुई
रंगीन जवानी देगा
मुझ को तस्वीर भी
देगा तो पुरानी देगा
छोड़ जाएगा मिरे जिस्म
में बिखरा के मुझे
वक़्त-ए-रुख़्सत भी वो
इक शाम सुहानी देगा
उम्र भर मैं कोई जादू
की छड़ी ढूँढूँगी
मेरी हर रात को परियों की
कहानी देगा
हम-सफ़र मील का
पत्थर नज़र आएगा कोई
फ़ासला फिर मुझे उस
शख़्स का सानी देगा
मेरे माथे की लकीरों में
इज़ाफ़ा कर के
वो भी माज़ी की तरह
अपनी निशानी देगा
बर्फ़ हो जायेगा जब
मेरे लहू का दरिया
तब कहीं जाकर वो
मौजों को रवानी देगा
मैं ने ये सोच के बोए नहीं
ख़्वाबों के दरख़्त
कौन जंगल में लगे
पेड़ को पानी देगा।

- अज़ीज़ बानो दाराब वफ़ा

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5 °c | न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार,10 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में चांदीपुरा वायरस का कहर

बच्ची की मौत

- संक्रमित बच्ची की मौत के बाद पूरे प्रदेश में हड़कंप

शाहपुरा/जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में चांदीपुरा वायरस का कहर अब बढ़ता जा रहा है। एक बच्ची की जोधपुर एम्स में पॉजीटिव रिपोर्ट के बाद पहली मौत की खबर ने चिकित्सा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। चांदीपुरा वायरस से प्रदेश में यह पहली मौत है। शाहपुरा जिले की 2 साल की मासूम बच्ची इशिका वायरस की चपेट में आई थी। गुरुवार देर रात अहमदाबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस बच्ची की बीते दिनों अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद परिजन उसे अहमदाबाद ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा था। इधर, वायरस को लेकर चिकित्सा विभाग भी अलर्ट हो गया है। यह मामला शाहपुर जिले के कोठिया ग्राम पंचायत के एक गांव ईंटडिया का है, जहां कीर परिवार की 2 साल की मासूम बच्ची की अचानक 5 अगस्त को तबीयत खराब हो गई।

शांति का दूत बनकर यूक्रेन जाएंगे पीएम मोदी

- तारीख हो गई पक्की, रूस के तेवर भी पड़ेंगे ढीले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को शांति का अग्रदूत बनकर यूक्रेन की यात्रा पर जाने वाले हैं। सरकारी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा का उद्देश्य दो साल से चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की गारंटी देना है। इससे पहले जुलाई में मॉस्को में भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया कि यूक्रेन संकट का सैन्य समाधान संभव नहीं है। बम, गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होगी।

आईएसआईएस का मोस्ट वॉन्टेड आतंकी गिरफ्तार

- एनआईए ने रखा था 3 लाख का ईनाम, रात 11 बजे हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजधानी में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर एक मोस्ट वॉन्टेट आतंकी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि उसके पास के एक हथियार भी बरामद किया गया है। रिजवान को दिल्ली से ही गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आतंकी रिजवान अली दिल्ली के दरियागंज इलाके का रहने वाला है और पुणे मॉड्यूल का मुख्य संचालक है। पिछले साल जुलाई 2023 में पुणे पुलिस की हिरासत से भागने के बाद से वह फरार चल रहा था। एनआईए समेत देश की तमाम एजेंसियां काफी समय से इसकी तलाश में जुटी हुई थीं। एनआईएकी की मोस्ट वॉन्टेट लिस्ट में शामिल इस आतंकी पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

अब और देरी नहीं, जम्मू-कश्मीर में चुनावी बयार

चुनाव आयोग के सामने एनसी से बीजेपी तक सभी एक सुर में बोले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से प्रतीक्षित विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने गुरुवार को श्रीनगर का दौरा किया। चुनाव से पहले की स्थिति का आकलन के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग की टीम ने राजनीतिक दलों, सुरक्षा एजेंसियों, और स्थानीय प्रशासन के साथ मुलाकात की। इस दौरे के दौरान, चुनाव आयोग की टीम ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की और राज्य में चुनाव कराने के लिए जरूरी कदमों पर विचार-विमर्श किया। राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा करने के लिए चुनाव आयोग की यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में पिछले आठ वर्षों से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। अंतिम बार 2014 में राज्य में विधानसभा चुनाव हुए थे और तब से राज्य विशेष राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों से गुजर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के बाद राज्य में पहली बार चुनाव होने जा रहे हैं, इसलिए यह यात्रा और भी अहम हो जाती है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग की टीम ने श्रीनगर में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इन दलों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी शामिल थीं। इस बैठक में सभी दलों ने अपनी-अपनी राय प्रस्तुत की और जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग की। सभी दल इस बात पर एकमत थे कि राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए अब और देरी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा चुनाव आयोग की टीम ने राज्य के 20 जिलों के पुलिस प्रमुखों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ भी बैठकें कीं।

यह बैठकें राज्य में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने और चुनाव के दौरान किसी भी संभावित चुनौती का सामना करने के लिए की जा रही हैं। आयोग ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी के पोले और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी स्थिति की समीक्षा की। आयोग की तीन दिवसीय यात्रा का समापन 10 अगस्त को जम्मू में होगा, जहां आयोग प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक करेगा। इस बैठक में राज्य की सुरक्षा स्थिति पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा और चुनाव के समय और प्रक्रिया पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर की समयसीमा तय की हुई है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि राज्य में चुनाव कराने की प्रक्रिया इस समय सीमा के भीतर पूरी की जानी चाहिए। अब जबकि चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है, राज्य में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

ईरान अब नहीं करेगा इजरायल पर हमला!

राष्ट्रपति ने सुप्रीम लीडर खुमैनी को बताए खतरे, टलेगा संकट

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान चाहते हैं कि देश इजरायल के साथ युद्ध में ना उलझे। उन्होंने देश के सुप्रीम लीडर अली खुमैनी से गुजारिश है कि इजरायल पर हमला करने से बचा जाए। उन्होंने इस जंग से ईरान के साथ ही पूरे क्षेत्र और उनके पद पर इसके खराब प्रभाव का हवाला देते हुए खुमैनी से कहा है कि युद्ध से बचना ज्यादा अच्छा होगा। ईरान इंटरनेशनल ने सत्ता के करीबी सूत्रों के हवाले से की रिपोर्ट में ये दावा किया है। ये ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या का बदला लेने के लिए इजरायल पर सीधा हमला करने की धमकी दी है। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, खुमैनी के साथ हाल ही में एक बैठक में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने उनसे इजरायल पर किसी भी सीधे ईरानी हमले को रोकने का आग्रह किया, ताकि किसी अवांछित युद्ध से बचा जा सके। मसूद ने चेतावनी दी कि यह संघर्ष उनके राष्ट्रपति पद को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है और कई बड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान के राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे और ऊर्जा संसाधनों के खिलाफ इजरायल का जवाबी हमला ईरानी अर्थव्यवस्था को पंगु बना सकता है और देश के पतन का कारण बन सकता है। राष्ट्रपति ने इस दौरान ये भी कहा कि उनकी मांग को कुछ लो सैन्य मामलों में अनुभव की कमी कह रहे हैं जबकि सच्चाई ये नहीं है। उनकी ओर से सैन्य कार्रवाई का विरोध राष्ट्रीय हित में निहित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल के साथ युद्ध से आर्थिक तौर पर चुनौती खड़ी हो जाएगी। साथ ही ईरान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को भी नुकसान होगा।

न्यूक्लियर हथियार में यूज होने वाला मटेरियल बिहार में मिला

850 करोड़ के 50 ग्राम रेडियोएक्टिव कैलिफोर्नियम के साथ 3 गिरफ्तार

गोपालगंज (एजेंसी)। गोपालगंज में दुनिया के दूसरे सबसे महंगे रेडियोएक्टिव कैलिफोर्नियम को जब्त किया गया है। इसके एक ग्राम की कीमत 17 करोड़ रुपए है। जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बल्थरी चेकपोस्ट पर पुलिस ने 50 ग्राम कैलिफोर्नियम बरामद किए हैं। इसके साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें एक तस्कर और दो लाइनर शामिल है।

फिलहाल सभी अभियुक्तों से पुलिस पूछताछ कर रही है। बरामद रेडियोएक्टिव की कीमत करीब 850 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये एक प्रतिबंधित रेडियोएक्टिव पदार्थ है, भारत में आम आदमी इसको खरीद या बेच नहीं सकता। इसका इस्तेमाल न्यूक्लियर वेपन्स, न्यूक्लियर प्लांट से बिजली उत्पादन, पोर्टेबल मेटल डिटेक्टर बनाने में होता है। साथ ही ब्रेन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में भी इसका इस्तेमाल होता है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुख्य तस्कर यूपी का है। छोटे लाल प्रसाद (40) उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के तमकुही राज थाना क्षेत्र का निवासी है।

इसके अलावा दोनों लाइनर नगर थाना क्षेत्र के कौशल्या चौक वार्ड नंबर 22 निवासी योगेंद्र साह का 40 साल का बेटा चंदन गुप्ता और महमदपुर थाना क्षेत्र के कुशहर मठिया निवासी हरेंद्र राम का 28 साल का बेटा चंदन राम गिरफ्तार हुआ है। एसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बहुमूल्य पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर कुचायकोट थाना की ओर से तत्काल कार्रवाई करते हुए एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तत्काल छापेमारी करते हुए 50 ग्राम रेडियोएक्टिव पदार्थ कैलिफोर्नियम को जब्त किया गया।

जानकारी के अनुसार कैलिफोर्नियम के 1 ग्राम की कीमत करीब 17 करोड़ रुपए बताई जा रही है। वहीं जब्त की गई 50 ग्राम कैलिफोर्नियम की कीमत करीब 850 करोड़ रुपए हो सकती है। इसकी सत्यता के लिए डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी से संपर्क साधा जा रहा है। एफएसएल की विशेष टीम को भी पदार्थ की जांच के लिए बुलाया गया है। इसके अलावा तस्करी, हैंडलिंग और जुड़े लिंक को भी खंगाला जा रहा है।

सांसद बना रहेगा खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की सदस्यता खत्म करने की मांग वाली याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जेल में बंद अमृतपाल सिंह को पंजाब के खडूर साहिब से

सांसद चुने जाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति गवई और न्याय मूर्ति विश्व नाथन की पीठ के समक्ष दावा किया कि संविधान का अनुच्छेद 84 संसद की सदस्यता के लिए योग्यता से संबंधित है और कहता है कि कोई व्यक्ति संसद की सीट भरने के लिए तब तक योग्य नहीं होगा जब तक वह भारत का नागरिक न हो।

मंगल को रहने लायक बनाने की तरफ बड़ी छलांग

बिना परमाणु बम के ही ग्रह का तापमान बढ़ाने की मिली तकनीक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना खोजने में जुटे वैज्ञानिकों को अहम कामयाबी मिली है। साइंस एडवांसेज में पब्लिश रिपोर्ट में शिकागो विश्वविद्यालय, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी और सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मंगल ग्रह के वातावरण को बदलने के दृष्टिकोण का खुलासा किया है। इस नए तरीके में मंगल ग्रह के वायुमंडल में इंजीनियर्ड धूल के कणों को छोड़ा जाएगा, जो ग्रह को 50 डिग्री फारेनहाइट से ज्यादा गर्म कर देंगे। इससे ग्रह का तापमान इतना हो जाएगा कि यहां माइक्रोबियल जीवन संभव हो जाएगा। इस रिसर्च को मंगल को रहने योग्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहला कदम कहा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये प्रस्तावित तकनीक वैश्विक स्तर पर मंगल ग्रह को गर्म करने के उद्देश्य से पिछली योजनाओं की तुलना में 5,000 गुना ज्यादा बेहतर है। ये मंगल ग्रह के वातावरण को बदलने की हमारी क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति को भी दर्शाता है। इससे पहले पृथ्वी से सामग्री आयात करने या दुर्लभ मंगल ग्रह के संसाधनों का खनन करने की बात तापमान बढ़ाने के लिए कही गई थी। परमाणु के इस्तेमाल की भी चर्चा होती रही है लेकिन नया दृष्टिकोण मंगल पर आसानी से उपलब्ध संसाधनों का लाभ उठाता है।

पहले मां को हुई जेल, फिर बेटी ने गंवाई अपनी नौकरी

अब पूजा खेडकर के पिता पर भी दर्ज हुआ केस

पुणे (एजेंसी)। धोखाधड़ी और गलत तरीके से ओबीसी तथा दिव्यांग कोटा का लाभ हासिल करने की आरोपी भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व अधिकारी पूजा खेडकर के पिता पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकी है। कुछ दिन पहले ही पूजा खेडकर की मां को जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा किया गया था। अब उनके पिता भी जेल जा सकते हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ पुणे जिले में एक लोक सेवक को धमकाने और उसकी ड्यूटी में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पुणे जिला कलेक्ट्रेट के एक तहसीलदार स्तर के अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यहां बंडगार्डन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने बताया,शिकायत में कहा गया है कि पूजा खेडकर की सहायक कलेक्टर के रूप में तैनाती के दौरान दिलीप खेडकर ने कथित तौर पर तहसीलदार दीपक अकाडे के खिलाफ धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया और उनसे अपनी बेटी के लिए एक केबिन आवंटित करने के लिए कहा। पूजा के पिता को प्रशासनिक कामकाज में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। संघ लोक सेवा आयोग ने हाल ही में पूजा का चयन रद्द कर दिया और उन्हें सभी चयनों से स्थायी रूप से वंचित कर दिया।

वायनाड में जमीन से आई रहस्यमयी आवाज, लोगों में दहशत

केरल हाईकोर्ट बोला-समस्या ये है कि हमारे पास कानून, लेकिन अमल नहीं हो पाते

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड वाले इलाकों में शुक्रवार की सुबह 10.15 बजे जमीन के नीचे से आई रहस्यमयी तेज आवाज से लोग दहशत में है। अधिकारियों ने कहा कि अंबालावायल गांव और व्यथिरी तालुका में आज सुबह जमीन के नीचे तेज आवाज सुनाई दी है। वायनाड के डीएम डी आर मेघश्री ने बताया कि घटना के बाद से इलाके के लोग डरे हुए हैं। सभी को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि रिक्टर स्केल में भूकंप के संकेत नहीं मिले हैं। आवाज किस कारण से आई है इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल इलाके के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वहीं, वायनाड लैंडस्लाइड पर केरल हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है। जस्टिस जयशंकरन नांबियार और जस्टिस वीएम श्यामकुमार की बेंच ने आज इस पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- यदि पर्यावरण ऑडिट किया गया है, तो हमें इसकी रिपोर्ट चाहिए। समस्या यह है कि हमारे पास कई कानून हैं, लेकिन जमीन पर नजर नहीं आते। हम इस मामले पर हर शुक्रवार को सुनवाई करेंगे। अगली सुनवाई 16 अगस्त को होगी। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को महाधिवक्ता को तलब किया और उन्हें कानून सहित मामलों पर विचार करने कहा। साथ ही कहा कि सरकार को सोचना चाहिए कि अवैध खनन और बाढ़ जैसी चीजों को रोकने के लिए कानूनी तौर पर क्या किया जा सकता है। बेंच ने कहा कि केरल के कुछ क्षेत्र ईको सेंसेटिव जोन हैं। इस पर फिर से सोचने की जरूरत है कि क्या यहां सस्टेनेबल डेवलपमेंट संभव है। यदि जरूरी हो तो इन मामलों में विनियमों को निरस्त किया जाना चाहिए।

कृष्ण जन्मभूमि मामले में सर्वे पर जारी रहेगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे पर रोक लगाने वाले अपने पिछले आदेश को नवंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर व्यापक बहस की आवश्यकता है। इस महीने की शुरुआत में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा जारी संबंधित आदेश को भी ध्यान में रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने हाईकोर्ट के एक अगस्त के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मुकदमों में सुनवाई जारी रह सकती है। मस्जिद प्रबंधन समिति की चुनौती को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने सुनवाई शुरू करने के लिए 12 अगस्त की तारीख तय की है।

इंदौर के रिटायर्ड बैंक अफसर से 39.60 लाख की ठगी

ईडी के नाम से डराया; परिवार की प्रॉपर्टी-पैसा सीज करने की दी धमकी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के रिटायर्ड बैंक अफसर को बदमाशों ने कई घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। उन पर स्काइप एप के जरिए कैमरा ऑन करके पूरी नजर रखी गई। इतना ही नहीं बच्चों की तस्करी में नाम आने की धमकी देकर ईडी की गिरफ्तारी के नाम पर डराया। इसके बाद 39.60 लाख रुपए ठग लिए। ये पैसा अलग-अलग अकाउंट में ऑनलाइन जमा कराया। लसूड़िया पुलिस ने गुरुवार को इस मामले में केस दर्ज किया है। महालक्ष्मी नगर के सन सिटी में रहने वाले राकेश कुमार गोयल 2012 में बैंक से रिटायर हुए। उन्होंने पुलिस को बताया कि 11 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई के अंधेरी थाने का जवान बताया। कहा कि तुम्हारे खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के केस में वारंट जारी हुआ है।

ईडी के अफसर बनकर बदमाशों ने की बात

इसके बाद कॉलर ने कहा कि मैं तुम्हारा कॉल ईडी ऑफिस में ट्रांसफर कर रहा हूं। कुछ देर बाद दूसरे लोगों ने मुझसे बात की। मुझे कहा गया कि मेरी आईडी से एक नया बैंक अकाउंट खोला गया है। उसके माध्यम से 8 करोड़ 20 लाख रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। यह पैसा बच्चों की तस्करी में इस्तेमाल किया है।बदमाशों ने गोयल को बताया कि हमारे रिकॉर्ड के अनुसार आपके

और अपराधी के बीच कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। इसके तहत आपके बैंक अकाउंट का उपयोग करने के बदले अपराधी आपको 82 लाख रुपए देगा। इस अकाउंट से पैसे का ट्रांजेक्शन बच्चों के अंग बेचने के लिए की गई मनी लॉन्ड्रिंग में किया गया है।

स्काइप एप डाउनलोड कराया, लाइव प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाई

गोयल ने पुलिस को बताया कि बदमाशों ने मेरे मोबाइल पर स्काइप एप डाउनलोड कराया। मुझे अपना ही लॉगिन आईडी और पासवर्ड दिया। वह मुंबई पुलिस के नाम से था।

मेरे लॉगिन होने के बाद उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाई। जिसमें दो व्यक्ति दिखाई दे रहे थे। बाद में तीसरे को कैमरे के सामने लाकर मुझे बताया कि इनके घर में चैकिंग के दौरान बैंक पास बुक मिली है। वह आपके नाम से है। इस अकाउंट से 8 करोड़ 20 लाख रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग की गई है।

जांच में क्लीन चिट मिलने पर रुपए लौटाने का भरोसा दिया

मोबाइल में स्काइप एप डाउनलोड कराने के बाद मेरे एसबीआई के एप से अकाउंट की डिटेल निकाली। यहां से उन्होंने न्यू इंडिया कंपनी के अकाउंट में 21 लाख रुपए जमा कराए। इसके बाद स्काइप एप डिस्कनेक्ट कर दिया। लेकिन मोबाइल पर बार-बार लोकेशन पूछते रहे। अगले दिन 12 जुलाई को फिर कॉल आया। बताया कि आपके अकाउंट की निगरानी आपके रिटायरमेंट के बाद से ही की जा रही है। मनी लॉन्ड्रिंग के केस में 19 लाख की एक एंट्री नहीं मिल रही। इसलिए पत्नी के अकाउंट की भी जांच होगी।उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच में गड़बड़ी नहीं मिली तो पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। इसके बाद उन्होंने पत्नी के अकाउंट में जमा 18 लाख रुपए की एफडी तुड़वाई। इस पैसे को डीपीडी एसोसिएट के खाते में ट्रांसफर कराया। इसके बाद मेरे अकाउंट से 60 हजार रुपए और लिए। ये पैसे मेजीगो टेक प्रा.लि. के अकाउंट में डाले।

जमा पैसे का सर्टिफिकेट भेजा, इसी से हुआ शक

12 जुलाई की रात को बदमाशों ने दूसरे नंबर से कॉल किया। पूछा कि किसी से संपर्क तो नहीं किया। इस बारे में किसी को बताया तो नहीं। मेरे मना करने पर उन्होंने जमा किए गए पैसे का एक सर्टिफिकेट भेजा। इसमें शासकीय चिन्ह अंकित था। इस सर्टिफिकेट पर शक हुआ तो उसे अपने डीएसपी दोस्त को भेजा। तब उन्होंने बताया कि मेरे साथ फ्रॉड हुआ है। इसके बाद मैंने क्राइम ब्रांच से शिकायत दर्ज कराई।

13-15 अगस्त को इंदौर-पुरी बदले रूट पर चलेगी

नागपुर मंडल में ब्लॉक का असर, इटारसी, कटनी, बिलासपुर के रास्ते पुरी जाएगी ट्रेन

इंदौर (एजेंसी)। मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के राजनांदगांव-कलामना खंड में तीसरी लाइन के कार्य किया जा रहा है। इसके चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली 8 यात्री ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें इंदौर से चलने वाली इंदौर-पुरी एक्सप्रेस भी शामिल है।रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 20917 इंदौर-पुरी एक्सप्रेस 13 अगस्त को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया इटारसी-न्यू कटनी जंक्शन-बिलासपुर होते हुए पुरी जाएगी। वहीं ट्रेन नंबर 20918 पुरी-इंदौर एक्सप्रेस 15 अगस्त को अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया बिलासपुर-न्यू कटनी जंक्शन-इटारसी होते हुए इंदौर आएगी।

छात्राओं को निर्वस्त्र कर चेकिंग मामले में हाईकोर्ट का नोटिस

घटना पर कार्यवाही को लेकर 7 दिन में प्रशासन से मांगा जवाब

इंदौर(एजेंसी)। शहर के सरकारी स्कूल में छात्राओं को निर्वस्त्र कर चेकिंग के मामले में इंदौर हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। जस्टिस धर्माधिकारी और जस्टिस दुपल्ला की युगल पीठ ने नोटिस जारी कर शासन से जवाब-तलब किया है। कोर्ट ने छात्राओं से जुड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए अभी तक की कार्यवाही के बारे में 7 दिन में जानकारी देने का निर्देश दिया है। दरअसल, इंदौर के शासकीय कन्या विद्यालय में छात्राओं के साथ हुई अभद्रता के खिलाफ चिन्मय मिश्र द्वारा एक जनहित याचिका मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के समक्ष जनहित याचिका लगाई गई है। इसमें छात्राओं के साथ हुए अपमानजनक और अभद्र व्यवहार को आधार बनाया है।याचिका में कहा गया है कि 2 अगस्त को इंदौर के शासकीय कन्या विद्यालय में अध्यापिका द्वारा मोबाइल फोन ढूंढने के नाम पर कम से कम 6 छात्राओं के कपड़े उतरवा कर जांच की गई। इसकी एक लिखित शिकायत छात्राओं के पालकों द्वारा मल्हारगंज थाने में 2 अगस्त को ही की थी। लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा उस शिकायत पर पॉस्को कानून के अंतर्गत कार्यवाही नहीं की जा रही है। याचिकाकर्ता की ओर से मामले में पैरवी अधिवक्ता अभिनव धनोड़कर द्वारा की गई है।याचिका में अंतरिम सहायता के तौर पर मामले में चाइल्ड वेलफेयर कमेटी और सपोर्ट पर्सन की नियुक्ति कर, मामले की जांच पॉस्को कानून के अंतर्गत करने की मांग की गई है। मुख्य सहायता के रूप में माननीय न्यायालय से पॉस्को कानून की धारा 19 के अंतर्गत बच्चों के विरुद्ध होने वाले लैंगिक अपराधों की शिकायत दर्ज कर कार्यवाही की जाती है के पूर्ण पालन के लिए उचित दिशा निर्देश जारी करने का निवेदन किया है। धारा 39 के अंतर्गत सपोर्ट पर्सन नियुक्त करने और कार्य करने के लिए उचित दिशा निर्देश जारी करने का निवेदन किया है। इसी पर पहली सुनवाई में कोर्ट ने नोटिस जारी किए हैं।

बीफार्मा स्टूडेंट सुसाइड केस में इंग्लिश टीचर पर एफआईआर

परिवार के बयान के बाद पुलिस की कार्रवाई, टीचर की मां को भी बनाया आरोपी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की बाणगंगा पुलिस ने मंगलवार को बीफार्मा के स्टूडेंट सुसाइड केस में ब्लैकमेल करने वाली इंग्लिश टीचर और उसकी मां को आरोपी बनाया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने रेप का केस दर्ज कराने की बात पर महिला थाने में पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर दबाव बनाया और रुपए का लेनदेन किया था।बाणगंगा पुलिस ने गौरव हाड़ा (19) की मंगलवार रात सुसाइड के मामले में पुलिस ने परदेशीपुरा में इंग्लिश की कोचिंग पढ़ाने वाली टीचर आकांक्षा कोरी और उसकी मां आरती कोरी पर आत्महत्या के लिये उकसाने सहित गंभीर धाराओं में गुरुवार रात केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने छात्र के पिता राजू के बयान लिये थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि बेटे गौरव ने उन्हें जानकारी दी थी 11 माह से आकांक्षा उसे परेशान कर रही है। दोनों की दोस्ती है। वह ब्लैकमेल कर रुपए की डिमांड कर रही है। 5 अगस्त सोमवार को आकांक्षा अपनी मां आरती को लेकर घर आई। यहां रुपए मांगे। तब राजू ने कहा कि दोनों पढ़ने-लिखने वाले बच्चे हैं। उनका भविष्य खराब हो जाएगा। आकांक्षा ने कहा कि कल (मंगलवार) सुबह महिला थाने आ जाना। मैं तुम्हें छोड़ूंगी नहीं। मंगलवार को हम महिला थाने गए। यहां पर आकांक्षा और उसकी मां आरती पहले से बैठे थे। उन्होंने रेप की झूठी एफआईआर दर्ज करने की धमकी दी। लेकिन उन्होंने पैसे लेने की बात कहकर समझौता कर लिया। इसी दिन शाम को आकांक्षा और उसकी मां फिर घर आ गई। यहां उन्होंने बेटे को काफी बुरा-भला कहा। इसके बाद गौरव कमरे में चले गया। यहां उसने सुसाइड कर लिया। इन बयानों के बाद पुलिस ने गुरुवार देर रात एफआईआर दर्ज की है।

कंपनी से मोबाइल चोरी, ऑडिट में पकड़ में आई चोरी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की एमआईजी पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में केस दर्ज किया है। कंपनी की ओर से मैनेजर ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है। बताया जाता है कि औडिट चेक करने के दौरान मोबाइल स्टॉक में कम मिले। इसके बाद स्टाफ से पूछताछ की गई। एमआईजी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक राजेश पुत्र रमेश सिंह सोलंकी निवासी विनीत हेरिटेज कल्पना लोक कॉलोनी, साकेत नगर ने बताया कि वह सीपीआर डिस्ट्रीब्यूटर प्रायवेट लिमिटेड कंपनी में मैनेजर हैं। कंपनी का गोदाम मालवीय नगर में है। यहां से सब कंपनी के मोबाइल प्रोडक्ट जाते हैं। उन्हें कंपनी की ओर से ऑडिट के लिये कहा गया था।यह आडिट 1 अगस्त से 8 अगस्त तक चला। जिसमें 6 मोबाइल जिसमें एपल प्रो, चार वन प्लस मोबाइल, एक विवो फोन स्टॉक में नहीं मिला। इसके बाद स्टाफ से पूछताछ की।

ढाई लाख से ज्यादा भक्तों ने किए नागचंद्रेश्वर के दर्शन

बड़वानी में भीलटदेव का 101 लीटर दूध से अभिषेक; रायसेन में नागों की अदालत

उज्जैन (एजेंसी)। नाग पंचमी पर उज्जैन में महाकाल मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट गुरुवार रात 12 बजे खोल दिए गए। सबसे पहले श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरि महाराज और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने त्रिकाल पूजा की।

करीब एक घंटे चली त्रिकाल पूजा और भोग लगाने के बाद आम लोगों को दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश दिया गया। नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट नाग पंचमी पर साल में एक बार ही खुलते हैं।अब तक ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। यहां आज करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर में आने का अनुमान है।बड़वानी के सेंधवा में भीलटदेव मंदिर में बाबा का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया गया। 108 व्यंजनों का भोग लगाकर सुबह 4 बजे महाआरती की गई। खंडवा के ओंकारेश्वर, पचमढ़ी के नागद्वारी, छतरपुर में

जटाशंकर मंदिर और दमोह के बांदकपुर में जागेश्वरनाथ मंदिर में लगातार भक्त पहुंच रहे हैं।रायसेन जिले के श्री रामरसिया धाम, सीहोरा खुर्द में आज नागों की अदालत लगेगी। इस अनोखी अदालत में सर्पदंश से पीड़ित लोग पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां उनके शरीर में नाग की आत्मा प्रवेश करती है और सर्पदंश का कारण बताती है।

अभिनेता राजपाल यादव ने किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव नाग पंचमी के मौके पर शुक्रवार को उज्जैन पहुंचे। राजपाल ने गर्भ गृह के बाहर से बाबा महाकाल के दर्शन किए। नंदी हॉल में ध्यान भी लगाया। इसके बाद नागचंद्रेश्वर भगवान के भी दर्शन किए।

नीट की तैयारी कर रही स्टूडेंट से छेड़छाड़

कोचिंग के बाहर बात करने को लेकर बनाया दबाव, केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। पलासिया पुलिस ने नीट की छात्रा के साथ छेड़छाड़ किये जाने के मामले में उसके परिचित युवक पर केस दर्ज किया है। आरोपी ने छात्रा का जबरदस्ती हाथ पकड़ा और बात करने के लिये दबाव बनाया। पुलिस मामले में जांच कर रही है। पलासिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 19 साल की छात्रा की नीट की तैयारी कर रही है। उसकी शिकायत पर पुलिस ने पृथ्वी पुत्र विजय चौहान निवासी ठीकरी बड़वानी पर केस दर्ज किया है। आरोपी इंदौर में पढ़ाई कर रहा है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह खरगोन की रहने वाली है। गीता भवन पर किराये से रहती है। पृथ्वी को पहले से जानती है। दोनों की मोबाइल पर बात होती थी। पृथ्वी ने एक बार प्रपोज किया तो छात्रा ने मोबाइल पर इनकार करते हुए बात करना बंद कर दी। पृथ्वी डेढ़ माह से कोचिंग के बाहर आकर बात करने के लिये दबाव बना रहा है। मना करने के बाद भी वह नहीं माना। गुरुवार को कोचिंग से घर जाते समय रास्ता रोककर अपशब्द कहे और हाथ पकड़ लिया। छात्रा चिल्लाई तो उसे सुनकर भाई मदद के लिये पहुंचा। लेकिन तब तक पृथ्वी वहां से भाग गया। इसके बाद परिवार को पूरी बात बताई। थाने जाकर पृथ्वी पर केस दर्ज कराया है।

प्रशासन की कार्रवाई

सड़कों पर अवैध बस अड्डे; हटाने गए पुलिसकर्मी को भी पीट दिया, 7 दफ्तर सील कर 6 बसें जब्त की

इंदौर (एजेंसी)। ट्रैफिक में बाधक बन रहे अवैध बस अड्डों को बंद करने के लिए प्रशासन ने संचालकों को डेढ़ महीने का समय दिया था। इसके बाद भी बसें अवैध स्टैंड से संचालित हो रही हैं। गुरुवार को प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए 7 ट्रेवल्स एंजेसियों के ऑफिस सील किए और 6 बसें जब्त की। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर एसडीएम घनश्याम धनगर के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।

धनगर ने बताया कि उक्त ट्रेवल एजेंसियों के संचालकों को डेढ़ महीने पहले निर्देश दिए थे कि वे अपनी बसों का संचालन शहर के बाहर से करना शुरू करें। उन्हें यह व्यवस्था करने के लिए इतना समय भी दिया गया था। बावजूद शहर से ही बसों का संचालन किया जा रहा था। शहर में बसों के संचालन से यातायात लगातार बाधित होता था।

इन ट्रेवल्स पर कार्रवाई

जिन ट्रेवल एजेंसी के ऑफिस सील किए गए उनमें हंस ट्रेवल्स, अशोक ट्रेवल्स, मुलतानी सोना, एसकेटी ट्रेवल्स, सिटी लिंक, शताब्दी और सिटीजन ट्रेवल्स शामिल हैं।सुबह हुई कार्रवाई के बाद बस संचालकों ने दोपहर में प्रशासन को लिखकर दिया कि वे अब से लंबी दूरी की बसों का संचालन प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों से ही करेंगे।

दादागिरी ऐसी... बीच सड़क खड़ी कर रहे

तुकोगंज पुलिस ने डीसीपी जोन 2 कार्यालय में आरक्षक के पद पर पदस्थ रामबाबू राजपूत की शिकायत पर मोहम्मद अकरम, कुलदीप, नीरज राठौर, आशिफ व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया। रामबाबू ने बताया बुधवार दोपहर 3.15 बजे ढक्कन वाला कुआं स्थित हंस ट्रेवल्स के ऑफिस के पास एक बस रोड पर खड़ी थी।इससे रोड पर जाम लग रहा था। ड्राइवर को बस साइड में करने के लिए कहा तो क्लीनर नीरज अपशब्द कहने लगा।

इंदौर से आखिरी बार 12.40 बजे रवाना हुई दुबई फ्लाइट

समय स्लॉट के कारण बंद हुई, विंटर शेड्यूल में फिर मिलने की उम्मीद

इंदौर (एजेंसी)। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सीधी दुबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट बंद हो गई है। इसके बदले सप्ताह में दो दिन चलने वाली शारजाह फ्लाइट के फेरे बढ़ा कर चार दिन कर दिया है। इंदौर से दुबई के लिए कोविड के पहले सप्ताह में तीन दिन उड़ान का संचालन होता था। लेकिन कोरोना काल के बाद जब एयर इंडिया एक्सप्रेस वापस संचालन शुरू किया तो इंदौर से सप्ताह में दो दिन के लिए शारजाह, जबकि एक दिन के लिए दुबई उड़ान का संचालन करने लगी थी। लेकिन गुरुवार को अचानक कंपनी ने अब दुबई की उड़ान को बंद कर दिया है।इंदौर से दुबई की आखिरी उड़ान देर रात 12.40 बजे दुबई के लिए रवाना हुई। बताया जा रहा है कि इस उड़ान में 80 प्रतिशत कैपेसिटी के साथ यात्रियों ने यात्रा की है। वहीं एयरपोर्ट व ट्रैवल एजेंटस से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर से दुबई की सीधी फ्लाइट को दुबई एयरपोर्ट पर सही स्लॉट नहीं मिलने के कारण बंद किया गया है। वहीं सूत्रों की मानें तो कंपनी ने इंदौर से दुबई की फ्लाइट का परमानेंट बंद नहीं किया है। वह सही स्लॉट मिलने पर दोबारा इंदौर से इस फ्लाइट का संचालन शुरू करेगी

कंपनी विंटर शेड्यूल के बाद इस फ्लाइट का संचालन फिर से करेगी

दुबई फ्लाइट बंद होने से यह होंगे नुकसान

- दुबई के बजाए शारजाह पहुंचेंगे, वहां से 40 मिनट का सफर सड़क मार्ग से तय करना होगा
- वापसी में भी दुबई से शारजाह आकर एयरपोर्ट आना होगा
- जिन यात्रियों की यूरोप के लिए कनेक्टिंग उड़ान होगी, उन्हें शारजाह पहुंच कर दुबई जाना होगा।
- उड़ान लेट होने पर आगे की उड़ान छूटने का डर बना रहेगा।

हर घर तिरंगा अभियान संभागीय संगठन प्रभारी ने की बैठक

भाजपा निकालेगी तिरंगा यात्रा, 11 से 15 अगस्त तक कार्यक्रम, हर वर्ग को जोड़ेंगे

इंदौर (एजेंसी)। हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा को लेकर गुरुवार को भाजपा कार्यालय पर बैठक हुई। इसमें विभिन्न कार्यक्रमों में लोगों को सीधे जोड़ने के लिए घर-घर पहुंचने का निर्णय लिया गया। 11 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। 11 से 14 अगस्त के बीच तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।यह यात्रा युवा मोर्चा के नेतृत्व में निकलेगी। 13 से 15 अगस्त तक कार्यकर्ता शहर के लोगों के साथ हर घर एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए भागीदारी सुनिश्चित

करेंगे। 12 से 14 अगस्त तक महापुरुषों की प्रतिमा के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाएगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हर घर तिरंगा के माध्यम से हम समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का कार्य आसानी से कर सकते हैं। संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम ने कहा कि मंडलों एवं वार्डों की बैठकें करना है। मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि इंदौर हर काम पूरी निष्ठा से करता है, यह भी करेगा। बैठक में संभाग सहप्रभारी डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला के अलावा सुदर्शन गुप्ता, गोपीकृष्ण नेमा, नंदू पहाड़िया, दीपक जैन, गोपीकृष्ण नेमा, दिलीप शर्मा, संध्या यादव और वरुण पाल आदि मौजूद थे।

जिले में भी अभियान- पार्टी कार्यालय पर ही मंत्री सिलावट व डॉ. सिंह की मौजूदगी में जिले की भी बैठक हुई। जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा सांवेर, देपालपुर, महू, राऊ आदि क्षेत्रों में मुख्य बाजारों, चौराहों व रहवासी क्षेत्रों से गुजरेगी।

संपादकीय

श्रीजेश को अनुपम विदाई!

विश्व के सार्वकालिक श्रेष्ठ गोलकीपरों में से एक भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश के लिए भारतीय हॉकी टीम द्वारा दो लगातार ओलिम्पिक में ब्रांज मेडल के तोहफे से बेहतर विदाई और कोई हो ही नहीं सकती थी। हालांकि उम्मीद तो इस बार गोल्ड या सिल्वर की थी। फिर भी ओलिंपिक में मेडल जीतना कोई कम बड़ी बात नहीं है। भारतीय हॉकी टीम के लिए आगे भी अच्छे प्रदर्शन के साथ-साथ श्रीजेश जैसा कोई दूसरा गोलकीपर ढूंढने और तैयार करने की भी बड़ी चुनौती रहेगी। जैसे ही पेरिस में भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता, श्रीजेश ने मैदान में लेटकर दर्शकों को साष्टांग नमस्कार किया। बाकी सारे खिलाड़ी प्यार से उनके सिर पर हाथ फेरते रहे। उसके बाद श्रीजेश अपने अंदाज में गोलपोस्ट पर जा चढ़े और सभी का अभिवादन किया। उसके पहले सभी साथी खिलाड़ियों ने 'वो डाउन' कर अपने इस सबसे सीनियर साथी और मार्ग दर्शक का अभिनंदन किया। वह दृश्य सचमुच अत्यंत यादगार था। और क्यों न हो, श्रीजेश जैसा गोलकीपर किसी भी हॉकी टीम को आसानी से नहीं मिलता। श्रीजेश लगभग दो दशकों से भारतीय हॉकी टीम के अडिग गोलकीपर रहे। पेरिस ओलिम्पिक में भारतीय टीम के सफल अभियान के पीछे जितनी भूमिका प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ गोल करने की थी, उससे कहीं ज्यादा श्रीजेश की थी, जिन्होंने दसियों गोल बचाए। इसी वजह से श्रीजेश को क्रिकेट के राहुल द्रविड़ की तर्ज पर भारत की अटल चट्टान कहा जाता है। अपनी गोलकीपिंग में लगातार दो ओलिंपिक मेडल जीतने की उपलब्धि ने श्रीजेश को अब तक के महान गोलकीपरों अर्जेंटीना के मैनुअल विवाल्डी, जर्मनी के निकोलस जेकोबी, आस्ट्रेलिया के एन्ड्रयू चार्टर, नीदरलैंड के जॉय स्टॉकमैन की श्रेणी में ला बिठाया है। श्रीजेश ने भारत के लिए 250 अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेले हैं। हर मैच में उनकी गोलकीपिंग पहले से ज्यादा बेहतर और अचूक नजर आई है। उनके पास अनुभव का खजाना है और गोलकीपरों के लिए तो वह अब लीजेंड बन चुके हैं। केरल के रहने वाले श्रीजेश के घर ओलिंपिक के ब्रांज मेडल मैच में भारत की विजय के बाद दीवाली मनाई गई। श्रीजेश केरल सरकार के खेल विभाग में संयुक्त निदेशक हैं। उनकी पत्नी भी जानी मानी खिलाड़ी रह चुकी हैं। श्रीजेश की गोलकीपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वो गेंद की गति और दिशा का अंदाजा दूर से लगा लेते थे। उनके रहते भारतीय गोल पोस्ट में बॉल डालना सामने वाली टीम के लिए दुरूह होता था। इंग्लैंड के साथ इस बार क्वार्टर फाइनल में श्रीजेश ने पेनाल्टी शूट आउट में जिस तरह पेनाल्टी स्ट्रोक बचाए, वो लाजवाब और उनकी उच्च स्तरीय गोलकीपिंग का नमूना था। यह कहने में संकोच नहीं है कि भारतीय टीम यह मैच श्रीजेश की वजह से ही जीती। श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने रिटायरमेंट का ऐलान इस ओलिंपिक के पहले ही कर दिया था। उनके साथ पिछले 13 सालों से खेल रहे मनप्रीत सिंह का भी यह चौथा ओलिंपिक है। उन्होंने कहा कि यह कांस्य पदक श्रीजेश के लिए है, क्योंकि यह उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था। यह सही है कि श्रीजेश जैसे खिलाड़ी बिरले ही जन्म लेते हैं। एक जमाने में भारतीय गोलकीपर शंकर लक्ष्मण का बड़ा जलवा था। लेकिन बाद में श्रीजेश जैसे महान खिलाड़ी ने गोलकीपिंग की नई इबारत लिखी। भारत को अब नया गोलकीपर तलाशना होगा तथा उसे श्रीजेश की तरह तैयार करना होगा। अगर श्रीजेश यह जिम्मेदारी लें तो इससे अच्छी बात कोई हो नहीं सकती है। बहरहाल भारत के इस महान हॉकी खिलाड़ी को उनके खेल संन्यास के बाद भावी जीवन के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

नजरिया

अमीरी के मापदंड : अमरीका और यूरोप में कौन बेहतर?

राजेन्द्र चौधरी

लेखक सेवानिवृत प्रोफेसर हैं।

दुनिया भर में सम्पन्नता मापने का प्रचलित पैमाना 'सकल घरेलू उत्पाद' (जीडीपी) 'आर्थिक वृद्धि दर' से ही उपजा है, लेकिन क्या यह किसी देश की वास्तविक सम्पन्नता को उजागर कर सकता है? इसी पैमाने पर अमरीका को यूरोप से अधिक सम्पन्न माना जाता है, लेकिन क्या यह मान्यता सही है? प्रस्तुत है, इसी की पड़ताल करता राजेन्द्र चौधरी का यह लेख।-संपादक

कहा जाता है कि 2010 के बाद से अमरीकी अर्थव्यवस्था यूरोप की तुलना में दो-गुना तेज़ी से आगे बढ़ रही है और इसके लिए यूरोप में सरकारी दखलंदाजी को ज़िम्मेदार ठहराया जाता है। सवाल है कि क्या यूरोप के नागरिकों की स्थिति अमरीकियों से बदतर होती जा रही है? यह धारणा अपवाद नहीं हैं। आज का आर्थिक विमर्श 'आर्थिक वृद्धि दर' केन्द्रित हो गया है, हालाँकि दशकों पूर्व अर्थशास्त्री इसकी सीमाओं को रेखांकित कर चुके हैं। इस कमी को दूर करने के लिए सुख-समृद्धि के कई वैकल्पिक मापक आ गए हैं, परन्तु मुख्यधारा का विमर्श अभी भी 'आर्थिक वृद्धि दर' केन्द्रित ही बना हुआ है।

यूरोप और अमरीका के निवासियों की सुख-संतुष्टि की तुलना करने के लिए बहुत मशक्कत नहीं करनी पड़ती। दशकों से 'संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम' समय-समय पर 'मानव विकास रिपोर्ट' प्रकाशित करता आ रहा है। सन् 2023-24 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अमरीका प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय के आधार पर दुनिया में नौवें क्रम पर है, परन्तु 'मानव विकास सूचकांक' के आधार पर इसका स्थान गिर कर 20वां रह जाता है। यूरोप के 12 देश 'मानव विकास सूचकांक' के मामले में अमरीका से आगे हैं जिनमें से 7 देश गैर-यूरोपीय हैं।

क्या 'मानव विकास सूचकांक' महत्वपूर्ण है? किस प्रकार इन 12 यूरोपीय देशों के नागरिकों की स्थिति आर्थिक वृद्धि में अमरीका से पिछड़ने के बावजूद बेहतर है? 'मानव विकास सूचकांक' खुशहाली के तीन पक्षों पर आधारित होता है - लम्बी एवं स्वस्थ जीवन की संभावना, निवासियों की ज्ञान तक पहुँच एवं उनका (भौतिक) जीवन स्तर। समान महत्व के इन तीन पक्षों का मूल्यांकन निम्न मापदंडों पर आधारित होता है : जीवन प्रत्याशा, शिक्षा प्राप्ति की अपेक्षित अवधि एवं 25 वर्ष से अधिक उम्र के निवासियों की शिक्षा अर्जन की अवधि तथा प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय। यानी 'मानव विकास सूचकांक' में प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय भी शामिल है, उसकी अनदेखी नहीं की गई है, परन्तु उसे ही खुशहाली का एक मात्र पैमाना नहीं माना गया है।

'मानव विकास सूचकांक' में अमरीका का पिछड़ना स्पष्ट तौर पर इंगित करता है कि इन तीन महत्वपूर्ण पक्षों के समग्र मूल्यांकन में अमरीकी यूरोप के 12 देशों से पीछे हैं। उदाहरण के तौर पर अमरीका में जीवन प्रत्याशा 78.2 साल है, यानि आज जन्मा अमरीकी बच्चा औसतन 78.2 साल तक जीवित रहेगा। यूरोप के सभी देशों में जन्मे बच्चे इससे अधिक आयु पाएंगे। यूरोप में जीवन प्रत्याशा 84.7 वर्ष है। यानि अमरीकी बच्चा यूरोप में जन्मे बच्चे से 6.5 वर्ष कम आयु पायेगा। अमरीकी बच्चे को 16.4 वर्षों की शिक्षा मिलने की आशा है, जबकि यूरोप के 11 देशों में बच्चों को इससे लम्बी शिक्षा मिलेगी, अधिकतम 19.2 वर्षों तक। यूरोप के बच्चों को अमरीकी बच्चों से 2.8 वर्ष अधिक शिक्षा मिल सकती है।

बढ़ती आर्थिक वृद्धि के दौर में अमरीका के मानव विकास में कितना सुधार हुआ है? वह यूरोप से पिछड़ रहा है या उसको पकड़ रहा है? अमरीका के 'मानव विकास मूल्य' में वृद्धि तो हुई है, परन्तु वृद्धि की दर यूरोप के 12 देशों से कम रही है; आयरलैंड के 'मानव विकास मूल्य' में अमरीका के 'मानव विकास मूल्य' की वृद्धि दर से 4 गुना ज़्यादा तेज़ी से वृद्धि हुई है। इसके चलते 2015 से 2022 के बीच अमरीका 'मानव विकास सूचकांक' में 5 स्थान नीचे आया है। संभवतः यूरोप की सरकारों की दखलंदाज़ी, जिसे यूरोप की आर्थिक वृद्धि की धीमी गति का कारण माना गया है, यूरोप के नागरिकों के लिए शुभ रही हो!

अगर 'मानव विकास सूचकांक' की असमानता को देखा जाए, तो अमरीका न केवल यूरोपीय देशों, बल्कि तुर्की और कुछ लैटिन अमरीकी देशों को छोड़कर, दुनिया भर के उच्च 'मानव विकास सूचकांक' वाले सभी देशों से अधिक अ-समान राष्ट्र है। सबसे अमीर 1 प्रतिशत अमरीकी अमरीका की राष्ट्रीय आय का 19 प्रतिशत प्राप्त कर रहे हैं, जबकि सबसे गरीब 40 प्रतिशत अमरीकियों को राष्ट्रीय आय का मात्र 16.6 प्रतिशत मिल रहा है। यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि अमरीका में 'मातृ-मृत्युदर' (यानी प्रति 100,000 जीवित नवजातों पर, गर्भावस्था से संबंधित कारणों से होने वाली महिलाओं की मौतों की दर) यूरोप के उच्चतर 'मानव विकास सूचकांक' वाले 12 देशों से 10 गुना अधिक थी। इन सभी 12 देशों में महिलाओं की विधायिका में भागीदारी भी अमरीका से अधिक थी।

अमरीका न केवल अपने नागरिकों की देखभाल में कई यूरोपीय देशों से पिछड़ रहा है, बल्कि इन देशों की तुलना में पृथ्वी को अधिक नुकसान भी पहुंचा रहा है। अमरीका 12 यूरोपीय देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति अधिक कार्बन-डाइऑक्साइड पैदा करता है। यह 7 यूरोपीय देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति अधिक भौतिक प्राकृतिक संसाधनों (जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले जैव-संसाधन, जीवाश्म-ईंधन, धातु-अयस्क और अधातु अयस्क का योग है) का प्रयोग भी कर रहा है। लक्जमबर्ग को छोड़कर अमरीका सभी यूरोपीय देशों की तुलना में पृथ्वी के संसाधनों का सबसे अधिक दोहन कर रहा है। यदि पृथ्वी के संसाधनों के दोहन को देखें तो अमरीका का 'मानव विकास सूचकांक' में स्थान 20वें स्थान से गिर कर 50वां हो जाएगा। स्पष्टतः अमरीकी आर्थिक वृद्धि का बोझ पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

तो क्या अमरीकी यूरोपवासियों से अधिक खुश हैं? इसके लिए हमें 'विश्व खुशहाली रिपोर्ट' (वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट) देखना होगा जिसे 'ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय' के 'वेलबीइंग रिसर्च सेंटर' द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क' एवं अन्य संस्थानों के साथ मिलकर निकाला जाता है। इस रिपोर्ट में राष्ट्रों की खुशी का मूल्यांकन मुख्य रूप से 'गैलप' संस्था द्वारा दुनिया भर में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर किया जाता है। ताजा 'विश्व खुशहाली रिपोर्ट' के अनुसार अमरीका ऊपर से 23वें क्रम पर था और यूरोप के 15 देश उससे ऊपर थे, यानी 15 यूरोपीय देशों के निवासी अमरीकी लोगों से अधिक खुश थे। सन् 2006-10 से 2021-23 के बीच अमेरिका के 'खुशी मूल्य' में 0.545 अंकों की गिरावट आई है। यानी वर्ष-दर-वर्ष अमेरिकी कम खुश महसूस कर रहे हैं। इसके विपरीत, इस अवधि में, 28 यूरोपीय देशों के 'खुशी मूल्य' में सुधार हुआ था।

वास्तव में जब अमरीकी अर्थव्यवस्था यूरोप से दो गुनी तेजी से बढ़ रही थी और अमरीकियों की खुशी कम हो रही थी, उसी दौर में दुनिया भर के 119 देशों के खुशी स्कोर में सुधार हुआ था या इसमें गिरावट अमेरिका की तुलना में कम थी। जाहिर है, केवल अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर या उसके आकार के आधार पर किसी अर्थव्यवस्था का मूल्यांकन ठीक नहीं है। किसी देश और अर्थव्यवस्था के समग्र मूल्यांकन के लिए अन्य पक्षों की पड़ताल भी की जानी चाहिए। इससे यह भी साबित होता है कि सरकार और समाज का अर्थव्यवस्था में दखल हमेशा हानिकारक नहीं होता।

यह बात केवल अमरीका और यूरोप पर ही लागू नहीं होती, भारत पर भी लागू होती है। अब जबकि यह दावा किया जा रहा है कि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा, यह याद रखना चाहिए कि भारत 'मानव विकास सूचकांक' में ऊपर से 134वें क्रम पर है। श्रीलंका (78), भूटान (125) और बांग्लादेश (129) जैसे पड़ोसी देश हमसे आगे हैं। इसलिए आज जन्मा बांग्लादेशी बच्चा भारतीय बच्चे से 6 साल अधिक जीने की अपेक्षा कर सकता है, श्रीलंका का बच्चा 9 साल ज़्यादा और नेपाली बच्चा भी 2.8 साल ज़्यादा उम्र पा सकता है। स्पष्ट है कि किसी भी देश के लिए राष्ट्रीय आय एक महत्वपूर्ण सूचक है, परन्तु केवल इस पर निर्भर रहना बेवकूफी है। (सप्रेस)

सरोकार

आरक्षण में कोटे में कोटा : सुप्रीम कोर्ट का क्रांतिकारी निर्णय

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र माध्यम के पूर्व अधिकारी हैं।

सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की पीठ ने 6:1 के बहुमत से हाल ही में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस डीव्हाय चन्द्रचूड़ ने इस संबंध में कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कैटेगरी के भीतर नई सब कैटेगरी बनाकर इस श्रेणी में अति पिछड़ों को अलग से कोटा दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय ऐतिहासिक और क्रांतिकारी निर्णय है। इसका अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग को स्वागत करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का कोटे में कोटा का फैसला 7 जजों की संविधान पीठ ने 565 पृष्ठ में 6 फैसलें लिखे हैं। इनमें से 5 फैसले सहमति के हैं और 1 फैसला असहमति का है। यह फैसला 6:1 के बहुमत का है। असहमति वाला फैसला जस्टिस सुश्री बेला एम त्रिवेदी ने लिखा है। सीजेआई श्री डीव्हाय चन्द्रचूड़ और जस्टिस श्री मनोज मिश्रा ने संयुक्त रूप से फैसला लिखा है। जस्टिस श्री बी आर गवई, जस्टिस श्री विक्रम नाथ, जस्टिस श्री पंकज मित्तल और जस्टिस श्री सतीश चन्द्र शर्मा ने अपने-अपने फैसले लिखे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की पीठ के उक्त निर्णय से अब राज्य सरकारों को ये अधिकार होगा कि वे एससी और एसटी वर्ग में शामिल सभी समुदायों के लिए आरक्षित कोटे में से जातियों के पिछड़ेपन के आधार पर कोटा तय कर सकते हैं। अभी देश में एससी वर्ग के लिए 15 प्रतिशत और एसटी वर्ग के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण है। इस प्रकार देश में कुल 22.5 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। राज्य सरकारें एससी और एसटी के उन कमजोर वर्गों का कोटा तय कर सकेंगे, जिनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है। अब यह राज्य सरकारों को तय करना है कि वह इसका किस तरह से पालन सुनिश्चित करें। किस वर्ग को कितना आरक्षण देना है, उसे तय करने के लिए राज्य सरकारें विशेषज्ञ पैनल बना सकती है। ये पैनल रिसर्च और डेटा के माध्यम से बतायेगा कि कौन सा वर्ग आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्तर पर कितना पिछड़ा है ? इसके लिए जरूरी है कि विशेषज्ञ पैनलों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के वर्गों के लोगों को भी अब यह सोचने की आवश्यकता है कि उन्हीं के बीच की अभी भी

ऐसी अनेक उपजातियाँ हैं, जो अत्यन्त गरीब हैं और वे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टिकोण से अत्यन्त पिछड़े हैं। इसलिए उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे अब अपने उन भाईयों पर भी ध्यान केन्द्रित करें, जो उनसे भी ज्यादा दयनीय स्थिति में है। उन्हें आगे बढ़ाने के लिए और प्रोत्साहित करने के लिए जरूरी है कि जिन्होंने आरक्षण लाभ ले लिया है, वे त्याग करें। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि अभी भी कुछ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग ऐसे हैं, जिन्होंने समर्थ होने पर स्वेच्छा से आरक्षण का लाभ नहीं लिया है, ताकि उनके अन्य भाई आरक्षण का लाभ ले सके। यह करके उन्होंने सबके सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उदाहरण के लिए मध्यप्रदेश के संदर्भ में यदि बात करें तो प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग की 48 उपजातियाँ है और अनुसूचित जनजाति वर्ग की 46 उपजातियाँ है। किन्तु इन उपजातियों में से कितने कर्मचारी वर्तमान में कार्यरत है? यह जानकारी उपलब्ध नहीं है। अन्य राज्यों में भी यही स्थिति है। इसलिए बहुत जरूरी है कि राज्य सरकार बहुत सोच समझ कर इस संबंध में पूरी जानकारी एकत्रित करने के बाद ही निर्णय लें कि कोटे के अंदर कोटा किनका और कितना दिया जाना है ?

मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग को 16 प्रतिशत आरक्षण है। किन्तु इसका सर्वाधिक लाभ जाटव, महार, मेहरा, अहिरवार आदि को मिला है। इसी वर्ग की अन्य उपजाति में बेड़िया, बंसोर, बेलदार, भंगी, मेहतर, चड़ार, झमराल, पासी, कुछ्बंदिया, खंगार, झझ्झर, कालबेलिया, सपेरा, नवदीगार, कोटवाल, चितार आदि को आरक्षण का पर्याप्त लाभ नहीं मिला है। इस कारण इन्हें भी आरक्षण में लाभ मिलना ही चाहिए। इसी प्रकार मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजाति वर्ग को प्रदेश में 20 प्रतिशत आरक्षण है। इस वर्ग में सरकारी नौकरियों में गोंड, कौल, भील, भिलाला, बारेला, डामोर आदि जाति का सर्वाधिक कब्जा है। किन्तु सहरिया, उरांव, नगेसिया, मवासी, धनुका, धनगड़, पनिका आदि उपजातियों में तुलनात्मक रूप से बहुत कम प्रतिनिधित्व है। इस कारण इन्हें भी आरक्षण में लाभ मिलना ही चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का उक्त फैसला सिर्फ अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए ही है। इससे ओबीसी और सामान्य जाति वर्ग के आरक्षण पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यहाँ यह जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश सब पर समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। अर्थात अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए कोटे में कोटा का फैसला हुआ है। किन्तु इसे तब तक लागू नहीं किया जाना चाहिए, जब तक ओबीसी और सामान्य वर्ग के आरक्षण में भी कोटे में कोटा का आरक्षण का प्रावधान नहीं हो। उदाहरण के लिए पिछड़े वर्ग में यादव, पाटीदार, आंजना आदि भी आते है जो राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न हैं। जबकि पिछड़ी जाति में वास्तव में ऐसी अनेक उप जातियाँ हैं, जो वास्तव में पिछड़ी है, इन्हें भी आरक्षण में कोटे में कोटा का लाभ मिलना चाहिए। इसी प्रकार सामान्य वर्ग के आरक्षण में भी कोटे में कोटा का प्रावधान किया जाना चाहिए। क्योंकि सामान्य वर्ग में भी कई उप जातियाँ ऐसी हैं, जो गरीब है। उसे भी कोटे में कोटा का लाभ मिलना चाहिए।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि संविधान ने आरक्षण का प्रावधान इसलिए किया था कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लोग मुख्य रूप से सामाजिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े हैं। अभी भी इन दोनों वर्ग के ऐसे अनेक व्यक्ति मिल जायेंगे जो आर्थिक रूप से तो सम्पन्न हो गए हैं, किन्तु अभी भी सवर्ण वर्ग के लोग विवाह के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के वर्ग के लोगों से बेटी देने या लेने के बारे में नकारात्मक सोच रखते हैं। इसलिए अनुसूचित जाति और जनजाति के वर्गों पर क्रीमीलेयर लागू नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के उक्त निर्णय देने वालों में एक जस्टिस श्री बीआर गवई ने अपने फैसले में यह कहा है कि क्रीमीलेयर को एससी एसटी पर भी लागू किया जाना चाहिए। किन्तु अभी इसका समय नहीं आया है। उल्लेखनीय है कि अभी ओबीसी और सवर्ण आरक्षण में सालाना 8 लाख रूपए से ऊपर कमाने वाले लोग क्रीमीलेयर के अर्न्तगत आते हैं।

मेरे यहां के भैया जी तो भैया जी हैं

कटाक्ष

प्रकाश हेमावत

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आज मुझे आपके शहर के भैया जी से मिलने का मौका मिला तो भैया जी के चेहरे और लबों पर जो मुस्कान छाई थी उस मुस्कान का राज जानना चाहा तो उन्होंने तपाक से उत्तर दे दिया अरे भैया जी सफाई के मामले में हमारा शहर आपके शहर से कई क़दम आगे है । यह मेरे शहर के सभी भैया जी का कमाल है इतना सुनते ही मेरे मन में कई ख्याल हिलोर ने मरने लगा कि मैं अपने शहर के प्रति कितना लापरवाह हूं और लानत है हमारी अक्ल पर की , मेरे शहर के इन दौर में शहर की सड़के, गलियां, नालियां कचरे से भरी पड़ी है। भैया जी हम इस गंदगी से भिड़ना तो जानते हैं मगर भीड़ नहीं सकते क्योंकि हम लोग अहिंसा वादी हैं और भीड़ का हिस्सा बनकर भीड़ में कहीं घूम नहीं होना चाहते हैं। स्वच्छता अभियान के तहत हम अभी तक अपने आप को स्वच्छ नहीं कर पाए भलाई का जमाना नहीं है। इन दौर में आपका शहर सबसे आगे बढ़ रहा है और हम आगे बढ़ने से बढ़ नहीं रहे हैं । शहर के समझदार, जानदार, शानदार और वजनदार नागरिक से कहते हैं कि यहां कचरा मत फेंको तो वह अपने घर का दुकान का कचरा वही फेंकते हैं जहां यह सूचना लिखी होती है कि यहां कचरा नहीं डाले इसलिए भैया जी आप थोड़ा सा समझो और इस दौर में इन दौर की बात को समझो। मुझे बहुत दुख होता है आपके यहां के भैया जी बहुत अच्छे हैं और मेरे यहां के भैया जी तो भैया .....?

आपके शहर में स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, रेस्टोरेंट, होटल, वाहनों की गति के साथ-साथ साहित्यिक व सांस्कृतिक है जो इस स्वच्छता वाले अभियान में अपने महत्वपूर्ण भूमिका बड़े ईमानदारी के साथ निभा रहे हैं इसलिए भैया जी आप सफाई के मामले में सातवें आसमान पर हो और हमारे यहां भी यह सभी मौजूद है लेकिन अपने अपने स्वार्थ भरी जिंदगी में जी रहे हैं कभी किसी समस्या को या स्वच्छता अभियान को गंभीरता से नहीं लेते हैं इसीलिए मेरा शहर बहुत ही पिछड़ा हुआ नजर आता है । आज यह पता चल गया की , भैया जी आप हमसे आगे क्यों बढ़ रहे हैं ? अरे भैया जी थोड़ी सी जलन पैदा करो कि आप भी स्वच्छता का ध्यान रखते हुए हम से आगे निकलकर तो देखें हमारे साथ-साथ आपका शहर उनका शहर भी स्वच्छ नजर आएगा जो स्वच्छता की बात करके आज भी सबसे आगे रहते हैं भैया जी आपकी बात सही हैं क्योंकि, हम भी आपके वाले भैया जी से जलते जलते स्वच्छता वाला अभियान से आगे निकल जाएं।

मेरे शहर का स्वच्छता अभियान शायद इसीलिए सफल नहीं हो रहा है क्योंकि, सुबह-सुबह वार्निंग वॉक पर निकलते ही जलन होने लगती है कि हम अपने लिए दूसरों के लिए शहर के लिए कितने लाभ परवाह हो गए कि घर का कचरा भी इधर-उधर देखने के लिए निकल जाते हैं जबकि कचरा लेने के लिए हर गले मोहल्ले में गाड़ी आती है शायद यही मेरे शहर का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि, हम सफलता के पायदान पर चढ़ता नहीं चाहते हैं ।

अपना शहर अपना शहर है। यहां का हर नागरिक अपने दिल से जुड़ा हुआ है । मन से जुड़ा हुआ है। हम स्वच्छता को अपनाते हुए पूरी ईमानदारी से अपना सहयोग मिलजुल का दिल से करें क्योंकि, हमने इस बीमारी के सफर में प्रियजन को, अपने को दोस्तों को खो चुके हैं इसलिए इस बीमारी को सफ़र को यहीं खत्म करें और स्वच्छता के नए सपनों को साकार करते हुए निरंतर निरंतर आगे बढ़ते रहें । अपने शहर में गंदगी फैलाने वाली भेड़ चाल जैसी संकीर्ण मानसिकता को खत्म करें।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

ये सवाल हैं जोखिम भरे

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

इसीलिए अपन तो रिस्क लेते ही नहीं. रिस्क रहती है श्रीमान् साड़ी पसंद करवाने के काम में. ताज़ा ताज़ा हाथ जला बैठे हैं डिज़ाइनर तरूण तहिलियानी. पेरिस ओलंपिक के लिए उनकी डिज़ाइन की गई साड़ी विवाद के केंद्र में आ गई है. मुर्गे की जान गई और खाने वाले को मज़ा नहीं आया. ओलंपिक दल की महिला सदस्यों ने पहन भी ली, ओपनिंग सेरेमनी में पहन कर चलीं भी, अब कह रहे हैं साड़ी पसंद नहीं आई. आजकल छोटे-छोटे आयोजनों में प्रिंटेड साड़ी तो कामवाली बाई नहीं पहनतीं, तरूणबाबू आपने ओलंपिक में पहनवा दी. 'इकत' प्रिंट है. तो क्या हुआ इकत प्रिंट का चलन तो इन दिनों बेडशीट में भी नहीं रहा! घर जैसे टंटे पेरिस में भी. होता है - जब साड़ी ननद लाई हो - 'ऐसी तो दो-दो सौ रूपये में सेल में मिल जाती है'. एक्जेक्टली यही ओलंपिक साड़ी के लिए कहा जा रहा है - 'दो सौ रूपये में दादर स्टेशन के बाहर मिलती है.' जो पीहर से वैसी ही साड़ी आ जाए तो ट्रायल रन में ही केटवॉक, ऑन दी सेम-डे, किचन टू पोर्च वाया ड्राईंगरूम एंड बैक, हुज़ूर इस कदर भी न इतरा के चलिए. तो श्रीमान कहानी का पहला मोराल तो ये कि तारीफ़ करने या खोट निकालने से पहले सुनिश्चित कर लीजिए साड़ी आई कहाँ से है. बेचारे तरूणबाबू को इल्म भी नहीं रहा होगा कि सेम-टू-सेम एटीट्यूड इंटरनेशनल लेवल पर नुमायाँ हो जाएगा. काश! उन्होंने सप्लाय करने से पहले इंडियन ओलंपिक असोसिएशन से पूछ लिया होता - 'देनेलेने में दिखाऊँ ?' तो उनकी इतनी आलोचना न होती. कस्बे के दुकानदार को पता होता है इस तरह की साड़ियों का कपड़ों में वही स्थान होता है जो दिवाली की मिठाई में सोन-पपड़ी का होता है. कभी कभी तो वही की वही साड़ी आठ-दस घरों में लेनदेन निपटाकर फिर से वहीं आ जाती है. ऐसे में बेचवाल सेफ हो जाता है, साफगोई से उसने पहले ही बता दिया कि ये देनेलेने के काम की है, पहनकर ट्रैक पर चलने को किसने कहा था!

रिस्क साड़ी खरीदवाने के काम में ही नहीं रहती, 'आज क्या पहनूँ?' को रिस्पांड करने में भी रहती है. ऐसा करो वो एरी सिल्क की देख लो. कौन सी एरी सिल्क ? वही जो अभी अभी खरीदी है मूँगिया ग्रीन. अभी कभी? अरे अभी तो कुछ समय पहले तो खरीदी तुमने. सालों गुजर गए जो आपने एक साड़ी भी दिलाई हो. क्यों, अपन जोधपुर चले थे तब नहीं खरीदी तुमने, महिना भर भी नहीं हुआ है. वो तो मैंने मेरी मम्मी के पैसों से खरीदी थी, कौनसी आपने दिला दी है. कब से कह रही हूँ आइसी-ब्लू शेड में एक साड़ी लेनी है. आपके पास सबके लिए बजट है मेरे लिए नहीं. लगा कि अब और कुछ कहा तो मौसम बदल जाएगा. रिस्क तो रहती है श्रीमान, डर लगता है, बेध्यानी में भी सच न निकल जाए मुँह से. बेटर हॉफ की मम्मी ने तो खाली पाँच सौ रूपये भिजवाए थे साड़ी के, फॉल-पिको में निकल गए. पूरी फंडिंग अपन की लगी है. फिर सात वचन से बंधा जो हूँ, त्याग तो करना ही पड़ता है. वैसे असल त्याग तो रेशम के कीड़ों का है श्रीमान, उबलते पानी में जान देकर भी....

बहरहाल, 'आज क्या पहनूँ ?' अपन के दिए सारे ऑप्शंस रिजेक्ट हो चुके हैं. टसर सिल्क, कोसा सिल्क, मैसूर सिल्क, चंदेरी सिल्क हर ऑप्शन खारिज़. उधर उत्तर में बनारस से लेकर सुदूर दक्षिण में कांजीवरम तक कुछ जम नहीं रहा. पता नहीं कौन लोग हैं जो भारत को विकसित राष्ट्र मानते हैं. एक साड़ी तो ऐसी आज तक बना नहीं पाए जो पहली नज़र में पसंद आ सके चलें हैं विश्व का नेतृत्व करने. 'अलमारी में कपड़े जमाकर कैसे रखें जाएँ' - मैरी-कोंडो ये तो दुनिया को सिखा सकती हैं, मगर 'आज क्या पहनूँ ?' रिस्पांड करने में भारतीय पति की मदद नहीं कर सकती. कुदरत ने आर्यावर्त में महिलाओं को एलिफेंट मेमोरी की नेमत बख्शी है. दस साल पहले किसी परिवार में, किसी आयोजन में कौनसी साड़ी पहनी थी, याद रहता है उन्हें. याद रखना पड़ता है. उसी परिवार में, वैसे ही आयोजन में साड़ी रिपीट न हो जाए, कांशियस बना रहता है. ओवरफ्लो होते तीन तीन वार्डरोब. खोलने के लिए दरवाजा थोड़ा सा स्लाइड करते ही साड़ियाँ कोरस में सवाल करने लगती हैं - 'क्या मुझे दूसरी बार कभी पहना जाएगा?' वे आज फिर रिजेक्ट हो चुकी हैं. थकहार कर अगले ने उसी साड़ी को पहनना नक्की किया है जिसे वे शुरू में मना कर चुकी हैं - एरी सिल्क का मूँगिया ग्रीन. रिस्क गाड़ी छूट जाने की भी है - एरी की मूँगिया ग्रीन ड्रेप-रेडी नहीं है, तैयार होने में अभी टाईम लगेगा.

उधर ओलंपिक का साड़ी विवाद इस पर भी बढ़ गया कि तरूणबाबू ने डिज़ाइंड साड़ी पर अपनी कंपनी तस्व का लोगो ही छाप डाला. 'ये साड़ी आपने कहाँ से ली ?' ऐसे सवालों के जवाब सचाई से नहीं दिए जाते तरूणबाबू, नंदिता अय्यर जैसियों को तो बिलकुल भी नहीं, और आपने कंपनी का लोगो छाप कर सीक्रेट ख़त्म कर दिया. आलोचना तो होनी ही थी. वैसे भी कपड़े का नौ वार लम्बा यह टुकड़ा भारतीयों को इस कदर लुभाता है कि हम पदकों से ज़्यादा खिलाड़ियों की साड़ी के बारे में चिंतित होते हैं, गोया कि स्टेडियम का रेसिंग ट्रेक न हो, फैशन शो का रैम्प हो. ओलंपिक तो 11 अगस्त को ख़त्म हो जाएगा, साड़ी पसंद करवाने के काम में रिस्क तो ताउम्र बनी रहेगी. आप नज़र पदक पर रखिए, अपन साड़ी विवाद पर रखते हैं.

दृष्टिकोण

एल.एस. हरदेनिया

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन : एक विश्लेषण

कांग्रेस के लगभग सभी बड़े नेता जिनमें जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जो उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे, सरोजनी नायडू, आदि को गिरफ्तार करके बंबई की सबसे बड़ी स्टेशन विक्टोरिया टर्मिनस ले जाया गया। वहाँ एक पेसेंजर गाड़ी खड़ी थी। इस गाड़ी में सभी को बैठा दिया गया और उसे पूणे की तरफ रवाना कर दिया गया। नेताओं की गिरफ्तारी की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और रास्ते में जितने भी स्टेशन आये लोगों की भारी भीड़ गुस्से में खड़ी मिली। भीड़ के लोग अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ नारे लगा रहे थे। गाँधी जिन्दाबाद, नेहरू जिन्दाबाद, पटेल जिन्दाबाद, मौलाना जिन्दाबाद आदि नारे लगा रहे थे। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस लाठी और अश्रु गैस आदि का उपयोग कर रही थी। इसमें कई लोगों को चोंट लगी। नेहरू जी यह बात सहन नहीं कर सके और ट्रेन से उतरकर पुलिस से मुठभेढ़ लेने लगे।

9 अगस्त को गाँधी जी ने अंग्रेजी साम्राज्य से कहा था कि भारत छोड़ो। यह तारीख वर्ष 1942 की है। यद्यपि गाँधी जी ने उनसे भारत छोड़ने की कोई तारीख तय नहीं की थी परंतु उनसे यह अपेक्षा की थी कि वे शीघ्र भारत को आज़ाद कर दें। 9 अगस्त भारत छोड़ो आंदोलन की तिथि ब्रिटिश शासन ने लगभग स्वयं तय कर दी थी। 7 और 8 अगस्त 1942 को बंबई में आल इण्डिया कांग्रेस कमेटी का अधिवेशन आयोजित किया गया था। दो दिन की लंबी बहस के बाद यह तय हुआ था कि गाँधी ब्रिटिश वायसराय को एक पत्र लिखेंगे जिसमें उनसे कहा जायेगा कि वे भारत को आज़ाद करने का इरादा साफ कर दें। यह पत्र उन्होंने अपनी अंग्रेज़ शिष्या मीरा के हाथ भेजने का तय किया। परंतु वायसराय ने मीरा से मिलने का समय नहीं दिया और उलटे 9 अगस्त की प्रातः बंबई में कांग्रेस वर्किंग कमेटी के जितने सदस्य थे प्रातःकाल से उनकी गिरफ्तारी प्रारंभ कर दी। गाँधी जी कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य नहीं थे परंतु उन्हें भी गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस के लगभग सभी बड़े नेता जिनमें जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जो उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे, सरोजनी नायडू, आदि को गिरफ्तार करके बंबई की सबसे बड़ी स्टेशन विक्टोरिया टर्मिनस ले जाया गया। वहाँ एक पेसेंजर गाड़ी खड़ी थी। इस गाड़ी में सभी को बैठा दिया गया और उसे पूणे की तरफ रवाना कर दिया गया।

नेताओं की गिरफ्तारी की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और रास्ते में जितने भी स्टेशन आये लोगों की भारी भीड़ गुस्से में खड़ी मिली। भीड़ के लोग अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ नारे लगा रहे थे। गाँधी जिन्दाबाद, नेहरू जिन्दाबाद, पटेल जिन्दाबाद, मौलाना जिन्दाबाद आदि नारे लगा रहे थे। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस लाठी और अश्रु गैस आदि का उपयोग कर रही थी। इसमें कई लोगों को चोंट लगी। नेहरू जी यह बात सहन नहीं कर सके और ट्रेन से उतरकर पुलिस से मुठभेढ़ लेने लगे।

यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि कांग्रेस के भीतर अंग्रेजों को भारत छोड़ने को कब कहा जाए, इस पर मतभेद था। उस समय द्वितीय महायुद्ध प्रारंभ हो चुका था। इस महायुद्ध में एक तरफ ब्रिटेन और अन्य वो देश थे जहाँ प्रजातंत्र था और उनके विरोध में वे देश थे जिनके राज्यों में तानाशाही थी और जो संकुचित विचारधारा में विश्वास करते थे। इनमें सबसे प्रमुख था हिटलर, जो जर्मनी का तानाशाह था। जिसकी राजनीति का आधार यहूदियों के प्रति घृणा थी। उसने घोषित किया था कि वह दुनिया से यहूदियों का नामोनिशान मिटा देगा। दूसरे थे इटली के मुसोलिनी। इसके अतिरिक्त उन दोनों से सहयोग किया एशिया के राष्ट्र जापान ने। नेहरू, मौलाना आज़ाद आदि यह मत रखते थे कि ऐसे मौके पर हमको ब्रिटेन के लिए कोई मुश्किल पैदा नहीं करनी चाहिए और इसलिए फिलहाल अंग्रेजों को भारत छोड़ने को न कहा जाए।

यह सोच भी थी कि यदि जर्मनी, इटली और जापान द्वितीय महायुद्ध में विजयी हो जाते हैं तो वे सारी दुनिया में अपना साम्राज्य स्थापित करेंगे। आज़ादी के बाद जब नेहरू जी बर्मा गये तो वहां के प्रधानमंत्री ने नेहरू जी से कहा कि यदि युद्ध में जापान विजयी हो जाता तो क्या वह हमें आजाद रहने देता?

गाँधी जी की राय थी कि इसी मौके पर अंग्रजों से आज़ादी छीनी जा सकती है। वे यह भी कहते थे कि यदि हमें आज़ाद कर दिया जायेगा तो हमारे देश का एक-एक बच्चा ब्रिटेन और अन्य राष्ट्रों की मदद करेगा। इस मुद्दे पर बात करने के लिए ब्रिटेन ने एक कमीशन भेजा। सर स्टेफोर्ड क्रिप्स नाम के उनके एक बड़े नेता को उसका अध्यक्ष बनाया गया। क्रिप्स ने आश्वासन दिया कि युद्ध के बाद हम भारत को आज़ाद कर देंगे। गाँधी जी को यह बात मंजूर नहीं थी और ब्रिटेन के इस आफर को उन्होंने कहा (postdated cheque on a crashing bank) यह एक ऐसा चैक है जो दिवालिया होने वाले बैंक से हमें दिया जा रहा है। बापू का मतलब यह था कि द्वितीय महायुद्ध के बाद ब्रिटेन दिवालिया हो जायेगा और उसके पास देने के लिए कुछ भी नहीं होगा। इस मुद्दे पर बहस होती रही और अंततः जैसा हमेशा होता था बापू की बात मान ली गई। परंतु फिर भी अंग्रेजों को भारत छोड़ने की कोई तिथि नहीं दी गई। बंबई में पारित प्रस्ताव की प्रतिलिपि ही बापू के दस्तखत से वायसराय को जानी थी जो उन तक नहीं पहुंच पाई। अंग्रेजों ने कोई अवसर नहीं छोड़ा और उन्हें यह लगा कि बापू और कांग्रेस शीघ्र ही आंदोलन छेड़ देंगे इसलिए उन्होंने सभी नेताओं को सारे देश में गिरफ्तार कर लिया और शायद कहने लगे कि न रहेगा बाँस और न बजेगी बाँसुरी। पूरे देश में गुस्से की लहर फैल गई।

सभी नेताओं को गिरफ्तार करके ब्रिटिश साम्राज्य ने बापू और कांग्रेस को आंदोलन की रूप रेखा बनाने का मौका ही नहीं दिया। साधारणतः जब बापू कोई आंदोलन छेड़ते थे तो उस आंदोलन का संचालन करने के लिए जिम्मेदारियां बांट देते थे, परंतु यह आंदोलन किन लोगों के नेतृत्व में चलेगा यह तय नहीं हो पाया और पूरे देश में आग लग गई। शुरू के एक दो दिन तो कुछ नहीं हुआ परंतु बाद में सारे देश में तूफान आ गया और हिंसक घटनाएँ होने लगीं। बापू कभी किसी भी आंदोलन को हिंसक नहीं होने देते थे। पर इस बार स्थिति कुछ और ही थी। पूर्व में जब भी उनका छेड़ा हुआ आंदोलन हिंसक रूप लेता था तो वह उसे स्थगित कर देते थे। परंतु इस बार हिंसक होने के बावजूद बापू ने ऐसा नहीं किया। इससे अंग्रेजी शासकों में घबराहट हुई। फिर भी बापू ने इस आंदोलन को और ज्यादा हिंसक नहीं होने दिया।

कांग्रेस में एक और समूह था जो आंदोलन में तोड़-फोड़ और ऐसी घटनाओं के करने में पीछे नहीं रहता था जिससे सरकार को नुकसान पहुंचे। जैसे-सरकारी इमारतों में आग लगाना, रेल की पटरी उखाड़ फेंकना, सरकार को सहयोग नहीं देना, नदी के पुल तोड़ देना। इस समूह का नेतृत्व करने वालों में सबसे प्रमुख थे जयप्रकाश नारायण। उनका साथ देने वालों में थे डॉ. राममनोहर लोहिया और श्रीमती अरूणा आसफ अली। अरूणा आसफ अली उन लोगों में से थीं जो भूमिगत हो गईं। उन्हें खोजकर गिरफ्तार करना बहुत कठिन काम हो गया। बाद में यह भी पता लगा कि उन्होंने कुछ दिन भोपाल में भी शरण ली थी। इनके साथ बड़ी संख्या में अनेक कांग्रेसी हो लिए। जयप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया गया था परंतु वे किसी तरह जेल से भाग निकले और इस तरह के आंदोलन को नेतृत्व देने में सबसे अगुवा रहे।

यद्यपि अंग्रेजों के शासन के दौरान उन्हें तोड़-फोड़ करने वाले आंदोलनों का नेतृत्व करने में कोई हिचकिचाहट नहीं थी परंतु बाद के जीवन में वे अहिंसा के पुजारी हो गए और बापू के प्रमुख शिष्यों में हो गये। एक मौका ऐसा आया जब उन्होंने इन्दिरा गाँधी का तख्ता पलटने वाले आंदोलन की अगुवाई की। जयप्रकाश नारायण ने अंग्रेजों की दिक्कतों को बहुत बढ़ा दिया था।

एक और समूह था जिसका नेतृत्व कम्युनिस्ट कर रहे थे। प्रजातांत्रिक देशों पर हमला बोलने के साथ हिटलर ने अपने इस इरादे की भी घोषणा की थी कि वह दुनिया के पहले कम्युनिस्ट देश को भी नस्तेनाबूद कर देगा। यह देश था सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक। सारी दुनिया के कम्युनिस्टों के लिए सोवियत संघ एक आदर्श था। उसकी रक्षा करना सभी कम्युनिस्ट अपना प्राथमिक उत्तरदायित्व समझते थे। चूंकि हिटलर प्रजातांत्रिक और कम्युनिस्ट राज्य को समाप्त करने पर आमादा था इसलिए विभिन्न राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था के बावजूद प्रजातांत्रिक देश और कम्युनिस्ट रूस एक दूसरे के घनिष्ठ सहयोगी बन गए। यदि कम्युनिस्ट, अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन में शामिल होते हैं तो इससे रूस की रक्षा में बाधा आयेगी। इसलिए भारतीय कम्युनिस्टों ने स्वयं को भारत छोड़ो आन्दोलन से अलग कर लिया।

जब भारत छोड़ो प्रस्ताव अखिल भारतीय कांग्रेस के बंबई सम्मेलन में रखा गया तो कम्युनिस्टों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजो को भारत छोड़ने के लिए कहने का यह उचित समय नहीं है। बापू ने उनकी निंदा करने के स्थान पर उनकी प्रशंसा ही की। बापू ने कहा कि इतने बड़े जन-समूह की राय के विरोध में जो अपनी बात कहने का साहस रखते हैं, यदि इसी तरह की स्थिति आज़ाद भारत में आती है तो हमारे देश में प्रजातंत्र को कोई नष्ट नहीं कर पायेगा।

अंततः भारत छोड़ो आंदोलन अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सका और उसे असफल क्रांति ही कहा जा सकता है। क्योंकि इतने ज़ोरदार आंदोलन के बावजूद अंग्रेजों को हम भारत से भगा नहीं सके और उसके बाद भी पांच साल तक अर्थात 1947 तक अंग्रेज भारत पर शासन करते रहे। परंतु 1942 के आंदोलन से एक लाभ यह हुआ कि हमारे देश के आम आदमी में एक अद्भुत साहस ने जन्म लिया और यह बाद में भी हमारे देश में प्रजातंत्र बनाये रखने में सहायक सिद्ध हुआ। 1942 के आंदोलन की असफलता के बाद भी देश के लोग बापू पर श्रद्धा करते रहे और वे हमारे देश का नेतृत्व करते रहे।

अगस्त क्रांति

गौरव अवस्थी

लेखक शिक्षाविद हैं।

अरहर की खूंटियों को खेत में गड़ी संगीनें समझते थे फिरंगी

स्वाधीनता संग्राम के सिलसिले में आमतौर पर अगस्त का महीना 'अगस्त क्रांति' या महात्मा गांधी द्वारा 9 अगस्त को छेड़े गए 'भारत छोड़ो आंदोलन' के रूप में जाना जाता है। यह महीना केवल इसी क्रांति से नहीं जुड़ा है। 1858 के इसी माह में अवध के 'जन विद्रोह' को दबाने या खत्म करने के लिए राजाओं, सामंतों, तालुकदारों जमींदारों और जनता को अपने पक्ष में करने के लिए ब्रिटिश संसद ईस्ट इंडिया कंपनी (कंपनी सरकार) का राज खत्म करके साम्राज्ञी के हाथ में शासन-सत्ता सौंपकर नई चाल चलने को मजबूर हुई थी। भारत की यह पहली 'अगस्त क्रांति' थी। भारत के अन्य भागों में तो राजा और सामंत ही कंपनी सरकार के खिलाफ लड़ रहे थे लेकिन अवध की क्रांति में राजा से लेकर जनता तक फिरंगियों के खिलाफ उठ खड़ी हुई थी। इसलिए इसे 'जन विद्रोह' का नाम दिया गया।

पेरिस से सुंदर और बड़ा था लखनऊ- उस समय अवध 12 जिलों में विभाजित था और 25000 वर्ग मील के क्षेत्र में फैला हुआ था। अवध का केंद्र लखनऊ था। भारत में यह युद्ध कवर करने वाले लंदन टाइम्स के संवाददाता रसेल ने लिखा था कि 30 मील के घेरे में बसे लखनऊ नगर के महलों, मीनारों, नीले और सुनहरे गुंबदों, सुंदर चौड़ी छतों,झ खंभों की लंबी पंक्तियां और हरियाली देखकर लगता है यह शहर पेरिस से बड़ा है और सुंदर भी (रसेल माई डायरी)।

अवध में सबसे लंबी चली लड़ाई- 10 मई 1857 को क्रांतिकारी मंगल पांडे के विद्रोह से शुरू हुए इस विद्रोह को कंपनी सरकार ने म्यूटनी, सिपाही विद्रोह या गदर के रूप में प्रचारित किया। भारतीय इतिहासकारों ने इसे 'प्रथम स्वाधीनता संग्राम' की संज्ञा दी। भारत के अन्य भागों की तरह अवध में भी कंपनी सरकार के खिलाफ विद्रोह शुरू हुआ। कंपनी सरकार ने अन्य भागों में विद्रोह तो कुछ दिनों में ही दबाने में सफलता पा ली लेकिन अवध में उसे डेढ़ साल तक नाको चने चबाने पड़े। ब्रिटिश अधिकारी टीएच कैवना ने अपनी एक रिपोर्ट में माना कि अक्टूबर 1858 के मध्य तक अवध का एक चौथाई इलाका भी ब्रिटिश शासन के अंतर्गत नहीं आ सका था।

बेगम हजरत महल के नेतृत्व में लड़ा गया युद्ध- दिल्ली के बादशाह बहादुर शाह जफर और अवध के बादशाह वाजिद अली शाह को गिरफ्तार कर कोलकाता भेजने के बाद बेगम हजरत महल ने शहजादे बिरजिसकदर को बादशाह नियुक्त कर फिरंगियों के खिलाफ मोर्चा संभाला था। बैसवारा के राजाओं जमीदारों और तालुकेदारों ने भी डटकर सामना किया। बेगम हजरत महल, नाना साहब पेशवा, तात्या टोपे (बिठूर) मौलवी अहमदुल्लाह शाह, राना बेनी माधव सिंह, राव रामबक्श सिंह अंत तक फिरंगियों के खिलाफ युद्ध लड़ते रहे। अवध के क्रांतिकारियों का एक समय इतना खौफ फैल गया था कि अंग्रेज अफसर और सैनिक अरहर की खूंटियों

को खेतों में गड़ी संगीन समझ कर भाग खड़े होते थे।

गद्दार सेवकों ने राव रामबख्श सिंह को पकड़ाया- डौंडियाखेड़ा (बैसवारा) के प्रतापी राजा राव रामबख्श सिंह ब्रिटिश फौजों से परास्त होने के बाद बनारस में साधुवेश में एक गोसाई के मकान पर रू. 4 महीने में रहने लगे। ब्रिटिश सरकार ने उन पर रू. 8000 का पुरस्कार घोषित किया। रुपए के लालच में गद्दार सेवकों ने मुखबिरी करके उन्हें गिरफ्तार करा दिया। उन्हें 28 दिसंबर 1858 को डौंडियाखेड़ा (उन्नाव) के उसी स्थान पर पेड़ पर फांसी से लटकाया गया, जहां उन्होंने कानपुर से भाग रहे 8 अंग्रेज अफसरों को मौत के घाट उतारा था। फांसी के पहले गंगा स्नान किया और गीता के 23 श्लोकों का पाठ किया। उनको फांसी देने के वक्त दो बार रस्सी टूटी लेकिन ब्रिटिश हुकूमत नहीं पसीजी और तीसरी बार फांसी दिए जाने पर उनका प्राणांत हुआ।

दगाबाज राजा ने मौलवी का सिर कलम किया- महान क्रांतिकारी फैजाबाद (अयोध्या) के मौलवी अहमदुल्लाह शाह ने बहादुरी से फिरंगी फौजों का सामना किया था। बेगम हजरत महल के वह खास सिपहसालार थे। मौलवी अहमदुल्लाह शाह रूहेलखंड में फिरंगियों का सामना कर रहे थे। 15 जून 1858 को पुवायां (शाहजहांपुर) के राजा जगन्नाथ सिंह के यहां गए। द्रोही राजा ने धोखे से अपनी गढ़ी में उनका सिर कलम करके शाहजहांपुर के मजिस्ट्रेट के सामने रख दिया। मजिस्ट्रेट ने उनके सिर को कोतवाली के गेट पर लटका दिया। इस दगाबाजी के बदले राजा को अंग्रेज सरकार से 50000 चांदी के रुपए पुरस्कार स्वरूप मिले थे। 22 जून 1858 वन को क्रांतिकारियों को मारडाला।

ऐसे लड़ाके पूरे भारत में कहीं नहीं देखे- ब्रिटिश हुकूमत के जनरल होपग्रांट ने बैसवारे में लड़े गए युद्ध का आंखों देखा वर्णन 2 जून 1858 को करते समय लिखा- 'हिंदुस्तान में मैंने अनेक युद्ध देखे हैं और वीरों को जीतने या मरने का निश्चय लेकर लड़ते देखा लेकिन बैसवारे के जमींदारों से बड़े योद्धा नहीं देखे।' इस युद्ध में उसे अपनी सेना लेकर पुरवा की तरफ भागना पड़ा।

वक्रोक्ति

श्रीकांत आप्टे

भारतीय रेल आपके सितारे और दिशाशूल

जिन पंडितजी ने मेरी जन्मपत्री बनाई उन्होंने अम्मा को बताया था कि बहनजी बालक साहसी और पराक्रमी होगा काहे से कि बालक सिंह राशि का है। अम्मा ने खुश होकर पंडितजी की थाली में दो पेड़ों की जगह चार पेड़े और ग्यारह रुपयों की जगह पूरे इक्कीस रुपये दक्षिणा के रखे। अब मैं आपको पंडितजी की भविष्यवाणी की असलियत बताता हूं। मेरी और पंडितजी कीझ इज्जत का वास्ता है आपको प्लीज़ किसी को बताना मत। बचपन की छोड़िए आज भी रात में अंधेरी सड़क से गुजरते हुए कुत्ते का भौंकना सुनकर मेरी राशि में बैठा सिंह गुर्राने के बजाय थरथराने लगता है। बाप से, बॉस से, बीबी से अपनी ज़िंदगी सबसे डरते हुए ही बीती। लिस्ट में अब एक और आइटम जुड़ गया है, भारतीय रेल। जुड़ी बुखार के मरीज सी कंपकंपी होने लगती है मुझे रेल से सफर करने के नाम पर।

हमारे पुरखे बहुत समझदार और ज्ञानी थे। बैलगाड़ी से हल्लु, हल्लु सफर के पहले भी साईत और दिशाशूल विचारा करते थे। एक हम हैं । रिज़र्वेशन का पता करेंगे लेकिन साईत और दिशाशूल का पता नहीं करेंगे। पुरखे बैलगाड़ी के सफर से पहले भी करते थे और हम सौ,एक सौ तीस किलोमीटर की रफ़्तार से चलने वाली रेल से सफर के पहले भी नहीं करते। बिना विचारे खतरा उठाते हैं।

देखिए भाईसाहब, रेल आखिर रेल है। एक इंजन और कुछ डिब्बों का खेल है।बिजली से चलती है। कभी पावर फेल हो जाता है। पावर न हुआ तो इंजन फेल हो जाता है। कभी-कभार पटरी के नीचे धरे स्लीपर का मन मचल जाता है।हां जी, कोई कब तक पटरी के नीचे पड़ा रहे। जब स्लीपर का मन मचल जाता है तो वह पटरी के नीचे से खिसक लेता है। जिसके ऊपर लेटे थे, वह स्लीपर ही जब दगा दे गया तो भला पटरी को ही क्या पड़ी कि वहीं पड़ी रहे। वो मनचली भी उखड़ लेती है। कभी-कभार आगे पहले से ही खड़ी ट्रेन को देखकर उसी पटरी पर दौड़ती दूसरी ट्रेन के मन में बहनापा उमड़ आता है। इधर बहनापा उमड़ा और उधर दोनों बहने धड़ाक से गले मिल लेती हैं। आपको इस असार संसार से मुक्ति दिलाने के लिए रेल विभाग के तमाम गंभीर और ईमानदार प्रयासों के बावजूद यदि आप इसी संसार में हैं तो खुद को खुशकिस्मत समझने की भूल न करें। यह रेल विभाग की बदकिस्मती है कि उन्हें सफलता नहीं मिली।

आप जीवित हैं तो रेल विभाग के भरोसे मत बैठिए।

उन्हें जो करना था ,वे कर चुके। उठिए, अब जो भी करना है आप ही को करना है। याद रखिए, आप आत्मनिर्भर भारत के नागरिक हैं। ऐसे अवसर के लिए ही रेल वाले रिज़र्वेशन फॉर्म में नाम, उम्र,पता सब साफ-साफ लिखने को कहते हैं । जो धरती के सफर को छोड़ आसमानी सफर पर निकल लिए उनका नश्वर शरीर समूचा, यदि मिल गया, अथवा स्पेयर पार्ट्स का पार्सल सही पते पर डिस्पैच करने में सुविधा रहती है।

बिना साईत और दिशाशूल देखे सफर करने की एक गलती आप कर चुके हैं। दूसरी मत करिएगा। घर से चलते हुए खाने के कम-से-कम चार टिफिन लेकर चलिए, दो प्लेटफार्म के लिए और दो सफर के लिए। आप समय से पहले प्लेटफार्म पर पहुंच गये हैं इसका हरगिज यह मतलब नहीं की आपकी ट्रेन भी समय पर आ जाएगी। आपने सफर की टिकट खरीदी है ट्रेन नहीं।उसे जब आना होगा तभी आएगी। खेद व्यक्त करने में पीएच.डी. एक उद्घोषिका थोड़े,थोड़े अंतराल पर देरी से आपको होने वाली असुविधा के खेद व्यक्त कर रही है। इस व्यवस्था के लिए आपको रेल विभाग वालों का आभारी होना चाहिए। खेद न व्यक्त करे तो आप उनका क्या उखाड़ लोगे। वैसे भी आप किसी सरकारी सिस्टम का कब कुछ उखाड़ पाते हो।

इंतज़ार करते सुबह से रात हो गई है। आप प्लेटफार्म पर दो टिफिन और कई कप चाय निपटा चुके हैं। इसीलिए हमने आपको चार टिफिन लेकर चलने की राय दी थी।

रेल यात्रा के हर चरण में आपकी राशि और सितारों का बड़ा रोल रहता है। आपके सितारे ठीक चल रहे हों तो आप शादी का मुहुर्त टल जाने से पहले, पत्नी की प्रसूति के लिए जा रहे हो तो बच्चे की पहली सालगिरह से पहले, मरीज को देखने जा रहे हो तो मरीज के कूच कर जाने से पहले गंतव्य पर पंहुच जाएंगे। भारतीय रेल सच्चे,देशभक्त भारतीय, जो कि आप हैं, से इसी धैर्य और सहिष्णुता की आपसे अपेक्षा करती है।

इंतज़ार खत्म हुआ। आपकी ट्रेन रात के अंधेरे में माथे की बिंदिया चमकाती,किसी दुल्हन की भांति शर्माती, सकुचाती प्लेटफार्म पर आ गई है। बहुत से यात्री एक साथ ट्रेन से प्लेटफार्म पर टपके। ठीक उसी समय भीतर घुसने वाली भीड़ के भभ्भड़ का चिराग परिचित मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ।

हम सबकी प्यारी,दुलारी भारतीय रेल पर लेख लिखने के लिए मैं बाध्य हुआ हूं। डेढ़ महिने में डेढ़ दर्जन रेल दुर्घटनाओं के कारण सब सरकार और रेलमंत्री के पीछे पड़े हैं जो उचित नहीं है। यात्रीगण हमारी महान भारतीय परंपरा के विपरीत बिना साईत देखे, दिशाशूल विचारे सफर कर रहे हैं। यही है मूल कारण रेल दुर्घटनाओं के लिए। सरकार और रेलमंत्री की आलोचना सर्वथा अनुचित है। आप रेलमंत्री या किसी भी रेल विभाग के अफसर से कन्फर्म कर सकते हैं।

लेख की प्रेरणा मुझे रेल विभाग ने दुर्घटनाओं के माध्यम से दी तो मेरा भी फर्ज़ बनता है। इसीलिए लेख रेलवाई वालों को समर्पित किया।

कलेक्टर संग कमिश्नर तथा आईजी ने मुख्यमंत्री के भैंसदेही में प्रस्तावित कार्यक्रम की पूर्व तैयारी का किया निरीक्षण

बैतूल। संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक इरशाद अली एवं कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के भैंसदेही

आगमन की पूर्व तैयारी का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 12 अगस्त को भैंसदेही के अटल बिहारी वाजपेई स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कमिश्नर नर्मदा पुरम संभाग श्री कृष्ण गोपाल तिवारी, आईजी श्री इरशाद वली, डीसीआर श्री गणेश जायसवाल ने कार्यक्रम स्थल और मुख्यमंत्री के हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया। आयुक्त श्री तिवारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को हेलीपैड स्थल से मुख्य पहुंच मार्ग तक सडक़ की मरम्मत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया, एसडीम सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्य द्वार करें सुसज्जित-आयुक्त श्री तिवारी ने कहा कि मुख्य द्वार को सुसज्जित करते हुए कार्यक्रम के आयोजन की गरिमामयी तैयारी करें। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि बरसात के पानी की निकासी की व्यवस्था भी पहले से रखें। उन्होंने कहा कि योजनाओं में लाभान्वित चिन्हित हितग्राहियों की बैठक व्यवस्था पृथक से की जाए। बैठक व्यवस्था सुगम बनाई जाए। इस दौरान मंच पर पहुंचकर निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल के मुख्य द्वार पर स्थित टूटे गेट

को हटाने नगर परिषद सीएमओ को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों के साथ मुख्य मार्गों का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था सगम बनाए जाने के निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल के चारों और पैदल निरीक्षण किया गया। इस दौरान मार्ग पर बजरी डालने और दुर्घटना की आशंका को देखते हुए जर्जर दीवार को तोड़े जाने के निर्देश दिए। स्टेडियम से सटी गुंमठियों को 12 अगस्त को बंद रखे जाने तथा मुख्य रास्तों पर सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए। इसके अलावा आयुक्त एवं अधिकारियों ने सीएम राईज स्कूल का भी निरीक्षण किया।

9 अगस्त को रानी दुर्गावती महिला सरपंच सम्मेलन में प्रत्येक जनपद पंचायत की महिला सरपंच लेगी भाग

9 से 15 अगस्त तक मनाए जाएंगे प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम

बैतूल। राज्य स्तरीय साप्ताहिक विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक प्रदेश स्तरीय देश भक्ति एवं शौर्य के प्रतीक हर घर तिरंगा अभियान एवं पर्यावरण पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं जनपद पंचायतों को दिए गए है। मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग प्रहलाद पटेल ने कहा कि 9 अगस्त को आयोजित रानी दुर्गावती महिला सरपंच सम्मेलन में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया जाए, जिसमें प्रत्येक जनपद पंचायत से 05-05 महिला सरपंच इस प्रकार जिले से कुल 50 महिला सरपंच भाग लेंगी।हर घर तिरंगा अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम एवं श्रावण मास में रक्षाबंधन का पर्व स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं महिला स्व-सहायता समूह की बहनों के साथ उत्साह पूर्वक मनाये जाने के निर्देश दिए गए है। प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आयोजित कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण कराया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर हर घर तिरंगा अभियान पर केंद्रित कर मनाए जाने एवं कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किए जाने के निर्देश दिए गए। सभी कार्यक्रमों की फोटो एवं विडियो निर्धारित वेबसाइट पर अपलोड किये जाने हेतु समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारियों जनपद पंचायतों को निर्देशित किया गया।

भगवान नेमीनाथ का मोक्ष कल्याणक व गुरू उपकार दिवस आज

आर्यिका रत्न अनंत मति माता जी एवं शुक्लमति माता जी का दीक्षा दिवस

नरसिंहपुर। कंदेली स्थित जैन मंदिर जी में आर्यिका रत्न 105 अनंतमति माता जी ससंघ चौमासे में विराजमान होने से अनेक धार्मिक कार्यक्रम प्रतिदिन मंदिर जी में आयोजित किये जा रहें है। इसी क्रम में 10 अगस्त को भगवान नेमीनाथ का मोक्ष कल्याणक एवं गुरू उपकार दिवस पर विविध धार्मिक ओर सांस्कृतिक आयोजन होगें। वहीं आर्यिक रत्न अनंतमति माता जी एवं शुक्लमति माता जी का दीक्षा दिवस समारोह आयोजित होगा। जानकारी के अनुसार 10 अगस्त को मंदिर जी में प्रात: 6बजे प्रभात फेरी परिक्रमा स्वरूप में 7:15 पर तीनों वेदियों पर एक साथ शांति धारा, 7:30 बजे पंडाल में आचार्य विद्यासागर महाराज जी के चित्र का अनावरण,चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन,मंगला चरण शास्त्र भेंट के बाद 7:45 सामूहिक रूप से श्रावकों को द्रव्य चढ़ाने का सौभाग्य, 8:15 पर माता जी के मंगल प्रवचन,9:00 बजे भगवान नेमीनाथ बारात नाटिका का मंचन,दोपहर 1:00 बजे से भगवान नेमीनाथ जी की बारात मंदिर जी से होते हुए पुराने बस स्टेंड से होते हुए बीच की रोड से निकाली जावेगी। दोपहर 2:30 बजे नाटिका के शेष भाग का मंचन बारात लोटने के पश्चात होगा। 3:45 बजे से माताजी के पुन:मंगल प्रवचन होगें। रात्रि 8:00 बजे आरती के उपरांत जैन धर्म पर आधारित एक वृत चित्र भी दिखाया जायेगा।

कोतवाली पुलिस के सर्चिंग अभियान में कबाड़ी के पास बम के खोल मिलने से मचा हड़कम्प

बम निरोधक दस्ता की जांच में बमों के 24 खाली खोल हुए बरामद, सभी खोल निष्क्रिय

बैतूल। मुख्यमंत्री के जिले में आगमन और स्वतंत्रता दिवस को लेकर कोतवाली पुलिस द्वारा एसपी निश्चल एन झारिया के निर्देश पर सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जिला मुख्यालय पर जिंदा बम के संभावना होने और बम के खाली खोके मिलने से हड़कम्प मच गया है। आनन-फानन में पुलिस फोर्स ने मौके पर पहुंचकर कबाड़ी के पूरे परिसर को सील कर दिया है। साथ ही पुलिस ने होशंगाबाद से बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम को बुलाया है, साथ ही आमला एयर फोर्स से भी टीम को बुलाया गया है। दोनों ही टीम बम के विषय में जानकारी देगी, उसके बाद ही मिले सेल के बारे में विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। पुलिस ने आसपास के मकान भी खाली करा लिए हैं। पूरे मामले से हड़कम्प मचा हुआ है।

एडिशनल एसपी कमला जोशी ने बताया कि कोतवाली पुलिस स्वतंत्रता दिवस और मुख्यमंत्री के दौरे लेकर सघन चैकिंग कर रही थी। चैकिंग के दौरान कबाड़ी के पास से कुछ लाइव सेल मिले हैं। इनकी जांच करने के लिए होशंगाबाद से बीडीएस टीम को बुलाया गया है। इसके साथ ही एयरफोर्स से टीम को बुलायी गयी है। जांच पूरी होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मामला संवेदनशील है, पूरे मामले की जांच की जा रही है। एएसपी श्रीमती जोशी ने बताया कि जिला मुख्यालय के शिवाजी वार्ड के लोहा पुलिया के पास स्थित खंजनपुर में नईम कुरैशी का निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास में यह कबाड़खाना संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जब सर्चिंग की तो यहां 21 से 24 के बीच बम के खोल मिले हैं। एएसपी श्रीमती कमला जोशी ने बताया कि जो बम मिले हैं इनमें से कुछ लाइव सेल भी हो सकते हैं लेकिन फिलहाल कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने बताया कि कबाड़ी नईम कुरैशी के पूरे कबाड़खाने को खाली करवाकर जांच की जाएगी, बम डिस्पोजल स्क्वाड फिलहाल जिले में रहेगी, शहर के दूसरे कबाड़खानों की भी जांच की जाएगी, कबाड़खाने के मालिक नईम कुरैशी के पुत्र आकिब कुरैशी को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ जारी है। आकिब भी कबाड़ खरीदने और बेचने का काम करता है। घटना को लेकर नईम कुरैशी का कहना है कि दो दिन पहले इंदिरा वार्ड बैतूल निवासी वसीम और शाहरूख ने तीन बोरी में कबाड़ लेकर आए थे और लोहा बोलकर बेचा था। नईम कुरैशी का कहना है कि यह दोनों पहले भी कबाड़ बेच चुके हैं इसलिए उनसे इसे लोहा समझकर ही लिया था लेकिन मालूम नहीं था कि ये बम है।

इनका कहना....

कबाड़ी के यहां से 21 से 24 के बीच बमों के खोल मिले है। इसमें जिंदा बम नहीं है। बम निरोधक दस्ते और एयर फोर्स आमला को सूचना दी गई है। अभी इस मामले की जांच जारी रहेगी, बीडीएस टीम ने आश्वस्त किया कबाड़ खाने के आसपास फिलहाल खतरे की कोई बात नहीं है। जिले के सभी कबाड़ियों के ठिकानों की जांच की जा रही है।

- कमला जोशी, एडिशनल एसपी बैतूल

बैतूल में विश्व आदिवासी दिवस पर विशाल रैली और प्रदर्शन

समस्त आदिवासी समाज ने जल, जंगल, जमीन बचाने का संकल्प लिया, पीपीपी मोड मेडिकल कॉलेज का किया विरोध

बैतूल। समस्त आदिवासी समाज संगठन के तत्वावधान में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर बैतूल में व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शुरुआत जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण से हुई, जिसके बाद पड़ापेन ठाना रैन बसेरा में पड़ापेन सुमरनी का आयोजन किया गया। इसके पश्चात आदिवासी समाज की एक विशाल रैली निकाली गई, जो रैन बसेरा से प्रारंभ होकर आदिवासी सामुदायिक मंगल भवन में समाप्त हुई। रैली में भाग लेने वाले समाज के लोग सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण फैसले का विरोध कर रहे थे और केंद्र सरकार से इस फैसले पर अध्यादेश लाकर इसे निरस्त करने की मांग कर रहे थे।

समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

इस अवसर पर 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में पूर्व विधायक निलय डागा, समस्त आदिवासी समाज संगठन के जिला अध्यक्ष सुंदरलाल उइके, जयस जिला अध्यक्ष संदीप के धुर्वे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, आकास जिला अध्यक्ष शंकर सिंह आहके, कोरकू समाज संगठन के चैतराम कासदे सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

पीपीपी मोड मेडिकल कॉलेज का विरोध

कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक निलय डागा ने पीपीपी मोड पर बनाए जा रहे बैतूल मेडिकल कॉलेज का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज इस फैसले का पुरजोर विरोध करता है और वह स्वयं भी समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने राज्य सरकार से विश्व आदिवासी दिवस पर शासकीय अवकाश घोषित करने की भी मांग की। कार्यक्रम के अंत में आदिवासी समाज संगठन के प्रतिनिधियों ने संयुक्त कलेक्टर को आदिवासी समाज के प्रमुख मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में मुख्य रूप से पीपीपी मोड मेडिकल कॉलेज का मुद्दा उठाया गया और इसे निरस्त करने की मांग की गई।

सांस्कृतिक पहचान और समाज की एकजुटता पर दिया जोर

आकास प्रांतीय सचिव सरवन मरकाम ने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति के प्रति उनके गहरे जुड़ाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को 100 प्रतिशत शिक्षित होना चाहिए ताकि वे अपने अधिकारों और हितों की रक्षा कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी समाज को मिलने वाली सरकारी बजट राशि का उपयोग समाज के हित में होना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी सामाजिक बंधुओं को भोजन वितरण किया गया और आयोजन का समापन हुआ। पूरे जिले में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया, जिसमें आदिवासी समाज की एकजुटता और उनके मुद्दों के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन किया गया।

परंपरागत गीतों पर झूम के नाचे आदिवासी समुदाय के लोग

बैतूल/ भैंसदेही। भैंसदेही विकासखंड की कौडिया ग्राम पंचायत में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान आदिवासी समुदाय के लोगों ने परंपरागत वेशभूषा में परंपरागत गीत गाते हुए रैली का आयोजन किया। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर हुए इस आयोजन में ग्रामीणों ने उत्साह के साथ भाग लिया और धूमधाम से नाच गाकर विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस दौरान रंगीलाल मेश्राम, दिनेश बड़ोदे, किशोर दहिकर, गुलाब काशदे, रामराव धाडसे, मुन्नालाल वटटी आदि मौजूद थे।

गौ संरक्षण एवं राष्ट्र कल्याण हेतु रानीपुर में कलश यात्रा का आयोजन

कलश यात्रा में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री अंगारिया

बैतूल। गौ ग्राम संस्कृति संरक्षण समिति के तत्वाधान में आयोजित भव्य कलश यात्रा रानीपुर के राम मंदिर प्रांगण से निकाली गई जो कि ग्राम के मुख्य मार्गों से होते हुए गौशाला रानीपुर पहुंची इस दौरान शोभायात्रा में शामिल पुरुष, महिलाएं और बच्चे धार्मिक गीतों की धुनों पर जमकर थिरकते नजर आए जिसमें मुख्य रूप से

जनजाति प्राधिकरण के अध्यक्ष दिनेश कुमार अंगारिया (कैबिनेट मंत्री दर्जा) शामिल हुए समिति के मीडिया प्रमुख शिवम पात्रेकर ने जानकारी देते हुए बताया कि गौ संरक्षणार्थ एकादश दिवसीय अभिषेकात्मक महारुद्र 8 अगस्त 2024 गुरुवार से 18 अगस्त 2024 रविवार तक श्रावण मास के पावन अवसर पर परम पूज्य प्रात: स्मरणीय ब्रह्मलीन परम तपस्वी संत शिरोमणी निक्कू दास महाराज की असीम कृपा से एवं पंचायती महानिर्वाणी नया उदासीन अखाड़े

के पूज्य संतों, महंतों के मार्गदर्शन में गौ संरक्षणार्थ एवं राष्ट्र कल्याण हेतु 11 बाम्हणों द्वारा एकादश दिवसीय अभिषेकात्मक महारूद्र का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं नवदिवसीय संगीतमय शिवमहापुराण कथा व तीन दिवसीय रूद्रयज्ञ का आयोजन हो रहा है।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने भरपूर मदद करेंगे : हेमंत खण्डेलवाल

पदक विजेता लाठी खिलाड़ियों का स्वागत कर बैतूल विधायक नें दी बधाई

साउथ एशियन लाठी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने दी थी आर्थिक सहायता

बैतूल। देश के परम्परागत खेल लाठी की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल की मदद से शामिल हुए बैतूल जिले के खिलाड़ियों नें भूटान में आयोजित साउथ एशियन ट्रेडिशनल लाठी चैम्पियशिप में परचम लहराया है। उक्त चैपियनशिप में 6 गोल्ड एवं 8 सिल्वर मेडल हासिल करनें वाले दर्जन भर लाठी खिलाड़ियो का बैतूल विधायक ने स्वागत कर उत्कृष्ट

सफलता के लिए उन्हें बधाई दी। खिलाड़ियों से चर्चा करते करते हुए बैतूल विधायक नें कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए भरपूर मदद की जायेगी। उन्होनें कहा कि बैतूल जिले में खेल प्रतिभाओ की कमी नहीं है। यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं सुविधायें मिले तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रौशन कर सकते है। विधायक श्री खण्डेलवाल नें कहा कि परम्परागत सहित अन्य खेलों के खिलाड़ियों को शासकीय सहित व्यक्तिगत तौर पर मदद दिलवानें में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी।

भूटान जानें दो लाख रुपये की दी थी मदद- उल्लेखनीय है कि भूटान में आयोजित द्वितीय साउथ एशियन ट्रेडिशनल लाठी चैपियनशिप में बैतूल जिले के सात बालक एवं आठ बालिका खिलाडियों का चयन भारत की टीम में हुआ था। ट्रेडिशनल लाठी स्पोर्टस फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय कोच विनोद बुंदेला के साथ लाठी खिलाड़ियों एवं उनके परिजनों नें गत दिनों बैतूल विधायक के निवास पर पहुच कर उन्हे साउथ एशियन चैम्पियनशिप भूटान में शामिल होनें में आ रही आर्थिक बाधा से अवगत कराकर सहायता की गुहार लगाई थी। खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध करानें के लिए हमेशा तत्पर रहनें वाले बैतूल विधायक नें नेशनल कोच,खिलाड़ियों और परिजनों से भूटान जानें के लिए व्यय होनें वाली राशि की जानकारी ली। उनकी मॉग पर बैतूल विधायक नें लाठी खिलाड़ियों को साउथ एशियन चैपियनशिप में शामिल होने के लिए दो लाख रुपये की आर्थिक मदद की गई। विधायक की मदद से भूटान गये जिले के लाठी खिलाड़ियों नें साउथ एशियन चैपियनशिप मे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 6 गोल्ड और 8 सिल्वर मेडल हासिल कर जिले का नाम रौशन किया।

बोले खिलाड़ी- विधायक ने दी भूटान खेलने जाने की सौगात

बैतूल विधायक की मदद से भूटान में आयोजित साउथ एशियन लाठी चैपियनशिप में भारत की टीम से खेलकर गोल्ड और सिल्वर मेडल हासिल करनें वाले खिलाड़ियों ,उनके परिजनों और राष्ट्रीय कोच नें बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल को धन्यवाद ज्ञापित कर कहा कि उनकी सहायता से ही भूटान में एशियन चैपियनशिप में शामिल होनें की सौगात मिली है। एशियन चैपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल करने वाले खिलाड़ियों वंशिका बुंदेले,गुंजन बुंदेले,सिद्धार्थ पाल,हर्षित डेहरिया,पीयूष कुंभारे और सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों रक्षा रायपुरे,सृष्टि गावंडे,कृतिका राठौर,ऋषिका दुबे, विशेष गांवडे,गुंजन बुंदेले,पीयूष कुंभारे का बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल ने स्वागत कर बधाई दी। इस दौरान राष्ट्रीय कोच विनोद बुंदेले ,लाठी संघ के सचिव नरेन्द्र शर्मा,पूर्व पार्षद पिंटू महाले,मनीष धोटे,सुनील सोनी,अशोक दुबे ,विजय सावनेरे,वीरेन्द्र डिगरसे सहित खिलाड़ी और उनके परिजन मौजूद रहे।

जिला स्तरीय अंतर विद्यालय लोक नृत्य प्रतियोगिता

नरसिंहपुर। जिले की लोकप्रिय नृत्य संस्था नवरंग शक्ति डांस एवं आर्ट ग्रुप संचालक राहुल पटेल एवं अक्षय नेमा एवं समस्त नवरंग शक्ति ग्रुप के तत्वाधान में जिला स्तरीय अंतर विद्यालय लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

ऊक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती मंजू राव उदय प्रताप की विशिष्ट अतिथि नीरज महाराज, अजय प्रताप सिंह पटेल, राकेश जैन, आर्यन गुप्ता ,श्रीमती शिवा तिवारी, श्रीमती मधुर जाट, संगीता जैन, सरोज पटेल,वर्षा पटेल, लकी छाबड़ा, सीमा पटेल की उपस्थिति रही। आयोजन में प्रथम स्थान सियाल इंटरनेशनल स्कूल नरसिंहपुर, द्वितीय स्थान नर्सिंग पब्लिक हाई सेकेंडरी स्कूल एवं तृतीय स्थान पर न्यू एज पब्लिक स्कूल गाडरवारा ने प्राप्त किया। लोक नृत्य के इस वृहद आयोजन को सफल बनाने में आर आर आर पब्लिक स्कूल नरसिंहपुर, शुराचित करियर अकैडमी , प्रिंस कॉटन हाउस, सारा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट , आनंद ज्वेलर्स, माधवम कैफे एवं रेस्टोरेंट, जेडी ऑटोमोबाइल्स , गुप्ता आयरन स्टोर, ई सॉल्यूशन कॉर्पोरेट एवं एसोसिएट प्रोटीन जंक्शन, गुरु साइन ट्रेडर्स एवं स्नेह नेट वर्ल्ड एवं प्रिंटर्स का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने सिलाई कार्य से जुड़ी स्व सहायता समूह की महिलाओं से किया संवाद

सिलाई कार्य को और बेहतर तरीक़े से करने पर ज़ोर

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने गाडरवारा भ्रमण के दौरान गांगई और कुडारी सामुदायिक भवन में पहुँचकर स्व सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। गांगई सामुदायिक भवन में मौजूद शक्ति स्वसहायता समूह की श्रीमती आरती श्रीवास्तव ने बताया कि वे और ग्राम की 30 महिलाएँ सिलाई का कार्य जानती है। उनके इस स्व सहायता समूह से 10 महिलाएँ जुड़ी है। एनटीपीसी के द्वारा उन्हें 35 सिलाई मशीनें प्रदान की गई है। इन महिलाओं को एनटीपीसी एवं सेंट आरसेटी के माध्यम से सिलाई प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है जिससे ये सिलाई कार्य में दक्षता हासिल कर सकें। इन महिलाओं द्वारा विद्यार्थियों की गणवेश सिलाई, पर्दे, शर्ट, पेंट, सलवार आदि बनाने का काम किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने महिलाओं से बातचीत के दौरान कहा कि अपने इस कार्य में वे डिजाइनिंग को भी शामिल करें। इसके लिए सेंट आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करवायें जायेंगे। डिजाइनिंग के लिए ऑनलाइन यूट्यूब के माध्यम से भी सीखें। महिलाओं द्वारा सिलाई कार्य से तैयार कपड़ों को वृहद् स्तर पर बाज़ार से भी जोड़ा जाये जिससे कि इनकी ब्रांडिंग हो सकें। महिलाओं ने बताया कि इस कार्य से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्तर मे बड़ा बदलाव आया है। इन गतिविधियों से ग्रामीण परिवेश में पली बड़ी इन महिलाओं में आत्म निर्भरता का बोध हुआ है। अब वे आत्मनिर्भर होकर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर कार्य कर रहीं हैं जो कि वर्तमान समय में महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बताता है।

छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण

नरसिंहपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व मप्र जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा के मार्गदर्शन में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। जनअभियान की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति व नवांकुर संस्था कपूरी द्वारा स्थानीय समितियों के सहयोग से ग्राम जल्लापुर, बिछुआ कला, करहैया खेड़ा आदि ग्रामों में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। रोपे गये पौधों में आम, आंवला, जमुना, कंजी, पारस पीपल आदि शामिल हैं। इस दौरान विकासखंड समन्वयक करेली, नवांकुर संस्था कपूरी समन्वयक, सीएम सीएलडीपी पाठ्यक्रम की छात्रा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति करहैयाखेड़ा के अध्यक्ष, और ग्रामीणों ने पौधा रोपण किया। रोपे गये पौधों की सुरक्षा व देखभाल करने के साथ- साथ पौधरोपण करने की शपथ भी दिलाई गई। इसके अलावा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मनकवारा ने आम के पौधों का रोपण किया।

जला स्तरीय शालेय क्रीड़ा बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ियों का चयन

नरसिंहपुर। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर

संभाग जबलपुर के वार्षिक खेल कैलेण्डर सत्र 2024-25 अनुसार जिला स्तरीय शालेय बेडमिंटन बालक/ बालिका आयुवर्ग 14, 17 व 19 तक दिनांक 09 से 10 अगस्त 2024 तक स्थान ऑफीसर क्लब नरसिंहपुर, बैडमिंटन कोर्ट व्हालीवाल हास्टल कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन में आयोजित की गई जिसमें आज जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के 14 आयु बालक वर्ग एवं 14, 17, 19 आयु बालिका वर्ग के मैच खेले गए। जिसमें जिले के समस्त विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता से चयनित शालेय खिलाड़ियों द्वारा सहभागिता की गई।

भोपाल तिराहा गार्डन संचालक को नोटिस जारी किया नगरपालिका ने..

नर्मदापुरम। कुछ दिन पहले बरसाती पानी से नीचे बाजार की स्थिति असामान्य हो जाने से व्यापारियों की अत्यधिक नुकसान उठाना पड़ा था । कारण बरसात का पानी व्यापारियों के दुकानों में भरा जाने से उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा था।

नुकसान भरपाई के लिए नगरपालिका को लगभग दो दर्जन व्यापारियों ने अलग-अलग देयक प्रस्तुत किए। लेकिन निदान क्या निकला..? कुछ नहीं.. नगरपालिका के जिम्मेदार और प्रशासनिक जिम्मेदारों ने मौका मुआयना किया, जनप्रतिनिधियों ने भी इस मौका मुआयना में रस्म निभाई लेकिन निष्कर्ष कुछ नहीं.. दुकानों में भराएं बरसाती पानी से व्यापारियों में क्षणिक नाराजगी का किसी पर कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाया जनप्रतिनिधियों ने जरूर नगरीय नालों को लेकर एक सुर छेड़ा नगर के नालों का सीमांकन कर उन्हें चौड़ा किया जायेगा और नालों पर से अतिक्रमण हटाया जायेगा.. नगर में क्या यह संभव हो पायेगा कि नालों का सीमांकन कर नगरपालिका प्रशासन या फिर जनप्रतिनिधि नगरीय जल निकासी व्यवस्था ठीक करवा दें..? महसूस किया जाता है कि पांच किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस नगर की मुसीबत यह है कि नगर में जल निकासी की माकूल व्यवस्था नहीं है। बहरहाल पहली मर्तबा नगरपालिका के जिम्मेदार अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने भोपाल तिराहा स्थित गार्डन मालिक को अतिक्रमण हटाने संबंधी नोटिस तो तामिल कराया है। ब्रिजेश श्रीवास्तव के नाम पर जारी अतिक्रमण हटाने के नोटिस से नगर में खलबली तो है लेकिन यह साफ नहीं हो पाया कि गार्डन संचालक को नगरपालिका ने जो नोटिस जारी किया है वह डूब क्षेत्र में नियम विरुद्ध निर्माण को हटाने के लिए है या फिर खानापूर्ति के लिए नोटिस जारी किया है। वैसे तो यहां व्यवस्थाओं को लेकर सब हवा हवाई है, जब मुसीबत आती उस समय उसका हल खोजने की थोड़ी बहुत कोशिश की जाती और फिर वही ढाक के तीन पात..? नगरपालिका के पास बतौर सुविधा लाखों की मशीनें उपलब्ध है केवल दिखावटी एक तरह ये मशीनें जैसे नगरपालिका की आय का स्त्रोत है इनका इस्तेमाल डीजल पेट्रोल भरवाने में किया जाना बाकी तो वाहनों के बाड़े में इनकी गिनती से ज्यादा इनकी अहमियत और कुछ नहीं।

चौरसिया समाज ने नागपंचमी का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया, निकाली शोभायात्रा

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। चौरसिया समाज ने नागपंचमी का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर नाग की प्रतिमा स्थापित की गई थी। जिसकी समाजिक धर्मावलंबियों पुरुष, महिलाओं ने विशेष पूजन अर्चना की।

उल्लेखनीय है चौरसिया समाज नागबेल की भी अर्चना करते हैं। आज सभी सजातीय बन्धुओं ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखे थे। जवाहर वार्ड से एक विशाल शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा पुराने चिकित्सालय, कन्या शाला, बिहारी चौक, कमानिया गेट मुख्य बाजार से होकर निकली।

बैंड बाजा से शोभायात्रा की शोभा काफी बढ़ गई थी। इस शोभायात्रा में अखाड़े का प्रर्दशन किया गया। वहीं जमकर आतिशबाजी जलाई गई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य मुन्ना लाल चौरसिया, चंद्रकांत चौरसिया दिनेश चौरसिया, अरविंद चौरसिया,टिक्कू चौरसिया, विवेक चौरसिया अजय चौरसिया वरुण चौरसिया राजेश चौरसिया,राकेश चौरसिया,अनिल चौरसिया सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु मौजूद थे।

नागपंचमी एवं चौरसिया दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

नरसिंहपुर। चौरसिया समाज द्वारा नाग पंचमी एवं चौरसिया दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन शगुन गार्डन में किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत समाज की वाहन रैली के साथ हुई, जिसमें समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर चौरसिया महिला मंडल नरसिंहपुर द्वारा समाज के मेधावी छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया, जिससे समाज में शिक्षा और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का संदेश गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनोज चौरसिया डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर, गुरु चरण चौरसिया, सिविल सर्जन जिला अस्पताल नरसिंहपुर, एवं समाज के वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मंच संचालन की जिम्मेदारी नीरज चौरसिया, श्रीमती मनसा, श्रीमती प्रतिभा, श्रीमती अनुश्री एवं रुचि चौरसिया ने कुशलतापूर्वक निभाई। कार्यक्रम के अंत में समाज के अध्यक्ष आनंद चौरसिया ने आभार व्यक्त किया।

पारंपरिक कारीगरों और हस्तशिल्पियों को मिले प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ : कलेक्टर

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन एवं उसकी प्रगति के संबंध में बैठक ली। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों की सहायता के लिये लागू की गई प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का जिले में नगरीय निकायों और जनपद एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से व्यापक प्रचार- प्रसार सुनिश्चित कर अधिक से अधिक शिल्पकारों और कारीगरों को लाभ दिलाने के निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, श्री अभिलाष मिश्रा, डॉ. हरगोविंद पटेल, श्री राजीव ठाकुर, श्री राव संदीप सिंह, पीओ डूडा सहित समिति के अन्य सदस्य और संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि लाभार्थियों का नामांकन पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर आधार- आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के साथ सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से किया जाएगा। लाभार्थियों के नामांकन के बाद तीन चरणों में सत्यापन किया जाएगा। पहला चरण ग्राम पंचायत/यूएलबी स्तर पर सत्यापन, दूसरा चरण जिला कार्यान्वयन समिति द्वारा जांच और सिफारिश तथा तीसरा चरण स्क्रीनिंग समिति द्वारा अनुमोदन शामिल होगा।आईटीआई प्राचार्य श्री आर एस पाराशर ने बताया कि ज़िले में अब तक ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में लगभग 38,000 पंजीयन हुए हैं। कलेक्टर श्रीमती पटले ने इस कार्य में प्रगति लाने के निर्देश बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए।

योजना में शामिल व्यवसाय

पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ 18 तरह के व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार उठा सकते हैं। इन व्यवसायों में बढ़ई, नाव निर्माता, हथियार निर्माता, लोहार, हथौड़ा और टूल किट निर्माता, ताला बनाने वाला, सोनार, कुम्हार, मूर्तिकार (मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाला), पत्थर तोडने वाला, मोची/जूता कारीगरों, राजमिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने का जाल निर्माण में लगे कारीगरी और शिल्पकारों को शामिल किया गया है। योजना के तहत कारीगरों और शिल्पकारों को मिलने वाला लाभ-पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों और शिल्पकारों को लाभ प्रदान करने की एक व्यवस्था बनाई गई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने नवाचारों को बढ़ावा दें : मंत्री श्री सिंह

गाडरवारा में रोगी कल्याण समिति की बैठक में दिये निर्देश,मंत्री श्री सिंह ने जनरेटर एवं बोरवेल के लिये दी स्वीकृति

नरसिंहपुर। सिविल अस्पताल गाडरवारा में इलाज के लिए आने वाले मरीज़ों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराना हमारी ज़िम्मेदारी है। स्वास्थ्य सुविधाओं के स्तर को व्यवस्थित कर उसे सुचारू रूप से बनायें रखने एवं मरीज़ों के समुचित इलाज की व्यवस्था रखने के निर्देश परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने अपने गाडरवारा प्रवास के दौरान सिविल अस्पताल में आयोजित रोगी कल्याण समिति की बैठक में दिए। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्री शिवाकांत मिश्रा,एसडीएम श्रीमती कलावती ब्यारे,सीएमएचओ डॉ एपी सिंह,सीएमओ श्री वैभव देशमुख सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में एजेंडावार विस्तृत चर्चा की गई और विभिन्न प्रस्तावों की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर क्षमता एवं नियमानुसार स्टाफ रख सकते हैं। चिकित्सालय में आवश्यकतानुसार डॉक्टर्स एवं स्टाफ के लिए प्रतिवेदन बनाकर अनुमोदन दिया गया। उन्होंने विधायक निधि से ट्यूबवेल के लिए दो लाख रुपये एवं अस्पताल में विद्युत व्यवस्था हेतु जनरेटर के लिए 13 लाख रुपये देने की स्वीकृति भी प्रदान की। चर्चा के दौरान ओपीडी पर्ची 10 रुपये प्रति व्यक्ति करने पर सहमति हुई। यहाँ संचालित दुकानों का अनुबंध कराया जाये और मासिक किराया 5 हजार रुपये एवं डायलिसिस कराने आये मरीजों से 500 रुपये लिया जाये।

दानदाताओं द्वारा भी सहयोग आवश्यक

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मरीज़ों को गुणवत्तापूर्ण सुविधा देने के लिए समाजसेवियों,जनप्रतिनिधियों को भी आगे आना होगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि उनके द्वारा अस्पताल को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। बैठक में अस्पताल में बने प्रायवेट एसी वार्ड कक्ष का चार्ज 800 रुपये और एसी रहित कक्ष का चार्ज 400 रुपये करने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में नॉन एसी कक्ष का किराया 500 रुपये निर्धारित था। बैठक में ब्लड बैंक उन्नयन के लिए भी अनुमोदन किया गया। अस्पताल में अतिक्रमण को हटाने के के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि अस्पताल का व्यवस्थित मुख्य द्वार बनवाने के लिए चर्चा उपरांत प्लान तैयार किया जावेगा। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने अस्पताल उन्नयन के लिए प्रोपोजल तैयार कर उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट के लायसेंस की कार्यवाही भी प्रक्रियारत होने की जानकारी दी गई।

सिविल अस्पताल में किया पौधरोपण

बैठक के पूर्व मंत्री श्री सिंह ने सिविल अस्पताल गाडरवारा परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने यहां आम का पौधा रोपकर नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री श्री सिंह ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करने और अभियान को सफल बनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर को एक करोड़ रूपये देने की घोषणा की

वीडियो कॉल कर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक हासिल कर इतिहास रचा है। मध्यप्रदेशवासी भी इस जीत का जश्न मना रहे हैं, क्योंकि विजयी भारतीय टीम में म.प्र. इटारसी के चांदौन गांव के विवेक सागर प्रसाद ने अहम भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के इस होनहार खिलाड़ी का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें एक करोड़ रूपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज वीडियो कॉल कर विवेक और पूरी भारतीय टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विवेक को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिस लगन और परिश्रम से भारतीय हॉकी टीम ने देश को गौरवान्वित किया है, वह प्रशांसनीय है।

उल्लेखनीय है मध्यप्रदेश राज्य हॉकी आकादमी के पूर्व खिलाड़ी रहे विवेक सागर दूसरी बार ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया है। इसके पूर्व टोक्यों ओलंपिक-2020 में भी भारतीय टीम ने कांस्य पदक हासिल किया था।

भोपाल का पहला स्किन बैंक हमीदिया में शुरू

80 डिग्री में की जाएगी स्टोरेज, जिंदा एवं मृत दोनों की स्किन हो सकेगी डोनेट

भोपाल (नप्र)। हमीदिया अस्पताल में स्किन बैंक का उद्घाटन शुक्रवार को कमला नेहरू अस्पताल के पहले फ्लोर पर किया गया। 15 लाख की लागत से तैयार हुए इस स्किन बैंक में जिंदा एवं मृत

दोनों तरह के व्यक्ति स्किन डोनेट कर सकते हैं। यह स्किन बैंक प्रदेश का दूसरा और भोपाल का पहला बैंक है, इससे पहले यह सुविधा जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद बोस मेडिकल अस्पताल में थी। इस दौरान हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक सुनीत टंडन, जीएमसी की डीन डॉ. कविता कुमार, प्रोफेसर एचओडी डॉ. अरुण भटनागर, डेसिगेटेड प्रोफेसर डॉ. आनंद गौतम, सहायक प्राध्यापक डॉक्टर हरि शंकर सिंह आदि मौजूद रहे।

दरअसल, हादसों में झुलसे लोगों के इलाज के लिए स्किन की जरूरत होती है। अभी तक स्किन बैंक नहीं होने के कारण स्किन डोनेशन की व्यवस्था हमीदिया अस्पताल में नहीं थी। करीब 9 महीने पहले बर्न एंड प्लास्टिक डिपार्टमेंट की ओर से इसके लिए प्रपोजल तैयार किया गया है। इसका प्रस्ताव कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन को भेजकर बजट मांगा था। बजट मिलने पर स्किन बैंक के लिए जरूरी उपकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर जुटाकर स्किन बैंक शुरू करने के लिए कार्रवाई शुरू हुई। हालांकि इस बैंक की एक साल से कवायद चल रही थी। पिछली बार भी एथिकल कमेटी तक मामला पहुंचा था, लेकिन व्यवस्थाएं पूरी नहीं होने से अनुमति नहीं मिली थी।

लाइव डोनेशन में डोनर की चौबीस घंटे में हो जाती है छुट्टी- डेसिगेटेड प्रोफेसर डॉक्टर आनंद गौतम ने बताया कि 30 प्रतिशत या 50 से 60 प्रतिशत से अधिक के जो बर्न के मरीज होते हैं। उनकी खुद की चमड़ी पूरी चल जाती है, इसलिए स्किन बैंक की जरूरत पड़ती है, इसलिए यह स्किन बैंक खोला है, जिस तरह से ऑर्गन डोनेशन होता है ब्लड डोनेट कर सकते हैं या किडनी डोनेट कर कर सकते हैं। उसी तरह स्किन भी डोनेट की जा सकती है। इस तरह के मरीजों में इस चमड़ी को इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर कोई प्राइवेट अस्पताल का मरीज है तो वह प्रोटोकॉल के अनुसार वह यहां से स्किन ले सकते हैं। इसकी स्टोरेज कैपेसिटी को नार्मल फ्रिज में 21 दिन तक रख सकते हैं, जो हमारे पास डीप फ्रीजर है यहां पर इसे 6 महीने से एक साल तक रख सकते हैं। इसमें लाइव डोनर 24 घंटे बाद छुट्टी भी हो जाती है। वहीं 15 दिन में डोनर की स्किन भी हील हो जाती है।

जेलर, टीआई, डॉक्टर समेत 8 पर एफआईआर के आदेश

पुलिस कस्टडी में मौत; टीआई ने झूठे केस में फंसाया, डॉक्टर ने गलत रिपोर्ट दी

भोपाल (नप्र)। भोपाल जेल में विचाराधीन बंदी की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में तत्कालीन जेलर, टीआई, डॉक्टर और क्राइम ब्रांच के 5 कॉन्स्टेबल पर एफआईआर के आदेश हुए हैं। मामला 23 जून 2015 का है। ग्वालियर के जेएएच अस्पताल में इलाज के दौरान बंदी मोहसिन खान (24) मौत हो गई थी। मोहसिन भोपाल का रहने वाला था।

मोहसिन की मां ने कोर्ट में प्राइवेट कम्प्लेंट फाइल की थी। न्यायाधीश वीरेंद्र यादव ने इस मामले की जांच की थी। इसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मनीष मिश्रा की कोर्ट ने यह आदेश दिया है।

परिजन छुड़ाने पहुंचे तब 2 लाख रुपए मांगे-एडवोकेट आमिरउल्ला खान ने बताया- मोहसिन के परिजन का आरोप था कि 3 जून 2015 को क्राइम ब्रांच भोपाल के सिपाही मुरली, दिनेश खजूरिया और चिरोंजी पूछताछ के लिए ले गए थे। जब वे मोहसिन को छुड़वाने के लिए क्राइम ब्रांच थाने पहुंचे तो उनसे दो लाख रुपए की रिश्वत मांगी गई।

क्राइम ब्रांच के बाद पुलिस ने मोहसिन पर टीटी नगर थाने में लूट का झूठा अपराध कायम कर उसे अदालत में पेश कर जेल भिजवा दिया। इससे पहले क्राइम ब्रांच और टीटी नगर थाने में उसके साथ मारपीट की गई थी।उसके प्राइवेट पार्ट में करंट लगाया था। इस बात की पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट में हुई थी। जेल में भी जेलर पर मोहसिन से मारपीट किए जाने के आरोप परिजन ने लगाए थे।

भोपाल नगर निगम के रिटायर्ड एसई के घर-ऑफिस में छापा

लोकायुक्त को नकदी, सोने-चांदी और संपत्ति के दस्तावेज मिले; फॉरेन इन्वेस्टमेंट को लेकर जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नगर निगम के रिटायर्ड अधीक्षण यंत्री प्रदीप जैन के घर और दफ्तर में शुक्रवार को लोकायुक्त टीम ने छापा मारा है। उनके घर से लाखों रुपए की नकदी, सोने चांदी के जेवरात और संपत्ति संबंधी दस्तावेज मिले हैं। टीम को विदेश में इन्वेस्टमेंट के प्रमाण भी मिले हैं। जिस मकान में कार्रवाई की जा रही है, वह उनके बेटे यश जैन के नाम है।

लोकायुक्त को पीके जैन के खिलाफ वित्तीय गड़बड़ियों की शिकायत मिली थी। कार्रवाई एयरपोर्ट रोड स्थित पॉश लार्ड्स कॉलोनी में स्थित पीके जैन के घर और गोविंदपुरा स्थित स्मार्ट सिटी ऑफिस में बने दफ्तर जारी है। दोनों ही जगह से बड़ी मात्रा में दस्तावेज जब्त किए हैं। उनके लैपटॉप, कम्प्यूटर की भी जांच की जा रही है। लैपटॉप और दो हार्ड डिस्क भी जब्त किए हैं।गोविंदपुरा स्थित स्मार्ट सिटी में पीके जैन के ऑफिस में भी लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा।

विदेश में निवेश की कर रही जांच

लोकायुक्त के सूत्रों ने बताया कि प्रदीप जैन द्वारा विदेश में निवेश की सूचनाएं भी मिली हैं। कार्रवाई में मिले दस्तावेजों में जैन के फॉरेन इन्वेस्टमेंट्स की जांच भी की जा रही है। लोकायुक्त के अफसरों ने बताया कि जांच में फॉरेन ट्रिप के दस्तावेज मिले हैं। पीके जैन चार दिन पहले ही कनाडा से लौटे हैं। प्रदीप जैन से कनाडा टूर के बारे में पूछताछ की जा रही है।

स्मार्ट सिटी में संविदा कर्मचारी हैं जैन

पीके जैन रिटायरमेंट के बाद से ही भोपाल स्मार्ट सिटी में बतौर सुप्रिटेंडेंट इंजीनियर (प्रोजेक्ट) संविदा कार्यरत हैं। वहां उन्हें वित्तीय पावर भी मिले हुए हैं। जैन स्मार्ट सिटी में भी अधीक्षण यंत्री के पद पर ही काम कर रहे हैं।

6 हजार वर्गफीट में बना कोठीनुमा मकान

पीके जैन का मकान लॉर्ड्स कॉलोनी के प्लॉट नंबर 11 और 12 पर बना है। मकान का निर्माण 6 हजार वर्गफीट पर कोठीनुमा किया गया है। चारों तरफ सीसीटीवी लगे हैं। एक साल पहले ही उनका यह भव्य मकान बनकर तैयार हुआ है। पड़ोसियों ने बताया कि जैन परिवार यहां कम ही रहता है। अंदर केवल सर्वेंट रहते हैं। जैन परिवार अधिकांश विदेश में ही रहता है। उनका बेटा कनाडा में सेटल है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

आज सीएम डॉ. यादव विजयपुर से लाड़ली बहनों के खाते में करेंगे राशि अंतरित

सावन माह में बहनों के खाते में आयेंगे 1250 और रक्षाबंधन नेग के 250 रूपये

भोपाल (नप्र)। प्रदेश की लाड़ली बहनें रक्षाबंधन के पहले दोगुनी खुशियाँ मनाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 अगस्त को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की हितग्राही बहनों के खातों में 1250 रूपये की राशि अंतरित करेंगे। साथ ही रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप लाभार्थी महिलाओं के खातों में 250 रूपये की उपहार (नेग) राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्योपुर जिले के विजयपुर और टीकमगढ़ में 10 अगस्त को आयोजित रक्षाबंधन पूर्व लाड़ली बहना हितग्राहियों के लिए आभार सह उपहार कार्यक्रम में यह राशि अंतरित करेंगे। साथ ही लाभार्थी महिलाओं को आभार-पत्र और उपहार देगें और राखी बंधवाएगें।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत 10 अगस्त को प्रदेश की सभी 23 हजार 11 ग्राम पंचायतों एवं 416 नगरीय निकायों (नगर निमग, नगर पालिका एवं नगर पंचायत) में भी वृहद स्तर पर आभार सह उपहार कार्यक्रम होंगे। राज्य सरकार के मंत्रीगण एवं जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले आभार सह-उपहार कायक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में होने वाले कार्यक्रम की थीम 'रक्षाबंधन और सावन उत्सव' पर केन्द्रित है। इसके अतिरिक्त 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में पौध-रोपण और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होगें। इसमें सहभागियों को शासकीय हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी भी साझा करेंगे।

मंच पर फूट-फूटकर रोए पूर्व नेता प्रतिपक्ष

भिंड के लहार में बोले-कांग्रेस कार्यकर्ता पर जुल्म हो रहे; कलेक्टर-एसपी को कहा बीजेपी एजेंट

आलमपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के सीनियर लीडर डॉ. गोविंद सिंह मंच पर भावुक हो गए। वे फूट-फूटकर रोने लगे। गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे और फर्जी केस कर रहे हैं।

बता दें कि कांग्रेस ने शुक्रवार को भिंड जिले के लहार में भाजपा सरकार के विरोध में जंगी प्रदर्शन किया। डॉ. गोविंद सिंह ने मंच पर बैठे कांग्रेस नेताओं की तरफ देखकर रोते हुए कहा- आप लोग मेरी मदद भले ना करें, लेकिन जिन लोगों ने कांग्रेस पार्टी के लिए खून-पसीना बहाया है, उन पर हो रहे जुल्म के खिलाफ आप लोग उनकी मदद करें। गोविंद सिंह ने कांग्रेस नेता की एक फोटो भी दिखाई। उनका आरोप है कि पुलिस ने उसकी पिटाई की है।

डॉ. गोविंद सिंह ने कहा- लहार में अन्याय सिर्फ हमारे साथ ही नहीं, बल्कि आम जनता के साथ भी किया जा रहा है। हमें अपनी परवाह नहीं है, बल्कि कार्यकर्ता की चिंता है। उन्होंने मंच पर बैठे नेताओं से लहार क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

मंच पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव और विधायक फूल सिंह बरैया समेत कई नेता मौजूद रहे।

कलेक्टर-एसपी भाजपा के एजेंट बनकर काम कर रहे- डॉ. गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि भिंड जिले के कलेक्टर और एसपी अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। वे अपने पद की गरिमा को खोकर भाजपा के एजेंट बनकर काम कर रहे हैं। कलेक्टर ने जबरन गलत कार्रवाई करते हुए मेरे घर में जबरन 200-300 जवान घुसा दिए। उन्होंने कहा- अगर हमारे कार्यकर्ताओं पर अत्याचार होगा तो हम शांत नहीं होंगे। हमारे कार्यकर्ता पर अत्याचार होने पर इंकलाब का आगाज होगा। प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में मार्केटिंग के पूर्व अध्यक्ष राजाबाबू सेंगर और रौन में पूर्व सरपंच रमेश त्यागी का मकान तोड़ दिया। यह कार्रवाई पूरी तरह से गलत है। उन्होंने लहार थाना प्रभारी पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस थाना प्रभारी ने दतिया में थाना प्रभारी रहते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे केस दर्ज कर उन पर जमकर सितम ढाया, उसको भिंड एसपी ने लहार थाना प्रभारी बना दिया। हमने कभी रेत की खदानों से रुपया नहीं खाया और न ही आज तक कभी दलाली की है।

मुझे धमकी भरा पत्र भेजा, कि अपनी नेतागिरी बंद करो- डॉ. गोविंद सिंह ने एक चिट्ठी का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे एक धमकी भरा हुआ पत्र भेजा गया है कि अपनी नेतागिरी बंद कर दो, तुम्हारी मृत्यु नजदीक है।

पुजारी ने की प्रेमिका के पति की हत्या

महिला ने कहा- पति के साथ रहूंगी; युवक बोला- जिंदा रहेगा तब न

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में 3 अगस्त को घर के बाहर सो रहे एक शख्स की हत्या कर दी गई। आरोपी उसकी पत्नी का प्रेमी निकला। वारदात में आरोपी के दो दोस्तों ने साथ दिया। पुलिस ने तीनों को गुरुवार शाम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मंदिर में पुजारी है।

अफेयर के तीन साल बाद महिला ने प्रेमी से कहा, बच्चे बड़े हो गए हैं। अब मैं पति के साथ ही रहूंगी। इस पर युवक ने कहा, 'पति जिंदा रहेगा तब उसके साथ रहोगी न।' आरोपी ने दोस्तों को डेढ़ लाख रुपए का लालच देकर हत्या के प्लान में शामिल कर लिया।

सीएसपी सुनील नेमा ने बताया, 3 अगस्त को बरगी थाना क्षेत्र के निगरी गांव में मुकेश झारिया (51) का शव मिला था। अलसुबह कुछ लोगों ने आरोपियों को भागते हुए देखा था। पुलिस ने 8 अगस्त को इस मामले का खुलासा किया। 40 साल की महिला के प्रेमी विवेक दुबे (22), उसके साथी मयंक मिश्रा और संजय चौधरी को सुंदरनगर से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह किसी भी कीमत पर महिला को छोड़ना नहीं

संजय चौधरी, आरोपी | मुकेश झारिया, मृतक

चाहता था।

मुकेश झारिया की शादी 20 साल पहले घाना गांव की युवती से हुई थी। वह कोई काम नहीं करता था। इस कारण पत्नी उसे छोड़कर मायके में रहने लगी थी।

पति से नाराज मायके में रहने लगी थी महिला- खमरिया घाना की रहने वाली महिला की शादी 20 साल पहले निगरी गांव में रहने वाले मुकेश झारिया से हुई थी। करीब 5 साल पहले मुकेश ने कामकाज बंद कर दिया। मां की पेंशन से ही घर चलता था। उसे शराब की भी लत लग गई थी। वह पत्नी से मारपीट करने लगा। परेशान होकर तीन साल पहले महिला दोनों बच्चों के साथ मायके घाना आ गई।

मायके में मंदिर के पुजारी से हुई थी दोस्ती- महिला के मायके में घर के पास राधा-कृष्ण मंदिर है। 22 साल का विवेक दुबे मंदिर का पुजारी था। महिला रोजाना मंदिर जाती थी। इसी दौरान दोनों की पहचान हो गई। दोनों साथ में घूमने और वक्त बिताने लगे। करीब तीन साल तक उनके संबंध रहे। महिला का बेटा 19 साल का है, जबकि बेटी की उम्र 13 साल है।

परिजन और बेटे को महिला के अफेयर के बारे में जब पता चला तो उन्होंने आपत्ति जताई। इसके बाद जून में महिला विवेक के पास पहुंची। उसने कहा, आज से बातचीत बंद कर देंगे। अब सब कुछ खत्म। मेरा बेटा बड़ा हो गया है। मुझे सिर्फ अपने बच्चों के लिए जीना है। बच्चे भी चाह रहे हैं कि मैं पति के साथ रहूं। इस कारण हम पति के साथ ससुराल में रहेंगे।

सड़क हादसों में 3 की मौत

छिंदवाड़ा के कुण्डीपुरा, चाँद और चिखली के पास हुआ हादसा, पुलिस कर रही मामले की जांच

छिंदवाड़ा (नप्र)। जिले के अलग अलग थाने में हुए सड़क हादसे में तीन युवकों ने दम तोड़ दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में एक बालक और दो युवक शामिल है। जानकारी अनुसार राहुल पिता अतरलाल भलावी उम्र 12 साल बहोरिया थाना अमरवाड़ा का रहने वाला है। वह दो माह पूर्व सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसका नागपुर में इलाज चल रहा था। शनिवार को उसे नागपुर से जिला अस्पताल में लाकर भर्ती किया। जहां इलाज के दौरान रात को दम तोड़ दिया। मौत के बाद परिवार में मातम पसर गया है। पुलिस ने आज सुबह पंचनामा के बाद पोस्टमार्ट्म कर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिकअप की टक्कर युवक ने तोड़ा दम- कुंडीपुरा थाना क्षेत्र के इसरा उमरिया का रहने वाला धनलाल पिता श्याम सिंह उम्र 28 साल शनिवार को बाइक से छिंदवाड़ा की ओर आ रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से युवक को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान रात को दम तोड़ दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार की टक्कर से युवक की मौत- चांद थाना क्षेत्र के पिंडरई कला गांव के रहने वाला बलदेव पिता प्रमोद डेहरिया उम्र 40 साल किसी काम से बाइक से चिखलीकला आया हुआ था। लौटते समय सामने से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों का जमावड़ा लग गया है। सूचना पर पहुंची 108 की मदद से उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

उमंग बोले-जहरीले सांपों की तरह आदिवासियों को डस रही भाजपा

नेता प्रतिपक्ष ने कहा-राखी,होली, मुहर्रम की छुट्टी,तो आदिवासी दिवस पर अवकाश क्यों नहीं

भोपाल (नप्र)। धार जिले के टांडा में आदिवासी दिवस पर आयोजित रैली में शामिल होने से पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मीडिया से चर्चा में कहा- विश्व आदिवासी दिवस पर मैं देश और प्रदेश के आदिवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। लेकिन भाजपा आदिवासियों का दमन कर रही है। आदिवासी दिवस पर छुट्टी नहीं की गई। शासन प्रशासन को कह रखा है कि आप ऐसे कार्यक्रम में न जाएं...क्या भाजपा आदिवासियों को देश की मुख्य धारा में नहीं लाना चाहती? भाजपा जहरीले सांप की तरह आदिवासियों को डस रही है।

उमंग सिंघार ने कहा- ये कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हैं। भाजपा जिस तरह से विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर रही है। आप जब हर समाज को छुट्टी दे सकते हैं चाहे होली हो, दीवाली हो, राखी हो या मुहर्रम हो। तो विश्व में आदिवासी मनाया जा रहा तो मप्र सरकार को क्या परेशानी है। मुझे लगता है ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा जहरीले सांप पाए जाते हैं भाजपा उसी जहरीले सांप की तरह हो गई है आदिवासियों को ड़सने के लिए। ये आदिवासियों का अपमान है। और आदिवासियों का ये अपमान हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बीजेपी का जवाब-मोदी के राज में जनजाति वर्ग की बहन राष्ट्रपति बनी- नेता प्रतिपक्ष के बयान पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा-भाजपा

सबका साथ सबका विकास और सबका सम्मान करने वाला राजनीतिक दल है। कांग्रेस ने अपने राजनीतिक 50 साल के सत्ता के इतिहास में कभी भी राष्ट्रपति आदिवासी नहीं बनाया। आज भारतीय जनता पार्टी ने देश के सर्वोच्च पद पर भी अगर किसी को बिठाया है तो वह भी इस जनजाति समाज की महिला हैं। शबरी माता के मंदिर को पूजने और मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन भी किसी ने किए तो वह भी भारतीय जनता पार्टी ने किया है। कांग्रेस ने राजनीतिक उपयोग किया है चाहे जनजाति हो, चाहे अनुसूचित जाति हो, चाहे पिछड़ा वर्ग हो। कांग्रेस वोट के खातिर राजनीति करती रही। भारतीय जनता पार्टी इनको परिवार मानती है इनका सम्मान करती है।

विधायक रामेश्वर बोले- उमंग का विकास होने से पूरे आदिवासी समाज का कल्याण नहीं होगा- रामेश्वर शर्मा ने कहा- राम के युग में माता शबरी के झूठे बेर भगवान राम ने खाए और मोदी जी के शासन में मोदी जी के प्रधानमंत्री काल में भारत के सर्वोच्च पद पर भी अगर राष्ट्रपति हैं तो वे बहन अनुसूचित जनजाति वर्ग से ही आती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखना चाहिए उमंग सिंगार आपका कल्याण होने से पूरे जनजाति वर्ग का कल्याण नहीं होगा। ध्यान रखिए अगर पूजना है तो रानी दुर्गावती का इतिहास पढ़ाओ फिर तुम्हें पता चल जाएगा कि अकबर से झगड़ा क्यों हुआ? दोनों हाथों में लड्डू खाने की कोशिश करते हो और अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति का उपयोग करते हो और बाद में उनको परेशानी में डालते हो।